दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

पटना से प्रकाशित
अंक: 260
वर्ष : 06
मूल्य : 02
पृष्ठ : 06

गुरूवार, 08 मई 2025 | दैनिक हिन्दी डिजिटल अखबार | web_dainikbiharpatrika.com

सुविचार

महंगे जूते अक्सर
वही खरीदता है,
जिसके भाग्य में चलना
बहुत कम आता है..!

संक्षिप्त खबर

दरभंगा में बदमाशों ने युवक को मारी गोली

दरभंगा। विश्विद्यालय थाना क्षेत्र के लक्ष्मी सागर मोहल्ले में निजी स्कूल के पास बुधवार को दिनदहाड़े आपसी रंजिश बदमाशों ने युवक शिवम कुमार पासवान (17) पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली शिवम के पेट और हाथ में लगी है। परिजनों ने घायल को डीएमसीएच में भर्ती कराया। शिवम लक्ष्मी सागर के वार्ड 15 निवासी राजेश पासवान का पुत्र है।

ई-रिक्शा की ठोकर से चाचा की मौत, भतीजा जख्मी

बगहा (प.चं.)। भितहा थाना क्षेत्र के मलाही टोला के पास ई रिक्शा ने चाचा-भतीजे को ठोकर मार दी। हादसे में चाचा कामता प्रसाद (53) की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि भतीजा सुनील यादव (20) बुरी तरह घायल हो गया। घटना बुधवार सुबह की है। दोनों यूपी-बिहार सीमा के भितहा स्थित घर से यूपी के कोकिलपट्टी जा रहे थे।

बाइक दुर्घटना में महिला की मौत, दो लोग घायल

गुरुआ। सरई टांड़ गांव से कुछ ही दूरी पर स्थित ईंट भट्ठे के पास बुधवार को दुर्घटना में बाइक सवार एक महिला की मौत हो गई। दो अन्य लोग घायल हो गए। गुरुआ के जयनगर गांव के गुडडू कुमार की पत्नी सविता कुमारी (30) अपने देबर सोनू कुमार व गोतनी गीता देवी के साथ सरई टांड़ गांव में आयोजित रुद्र महायज्ञ से पूजा कर बाइक से घर लौट रही थी। यज्ञ स्थल से थोड़ी दूरी पर स्थित ईंट भट्ठा के पास बाइक सड़क के किनारे पलट गई।

हत्याकांड के आरोपी को किया गिरफ्तार

करपी। स्थानीय थाना क्षेत्र के बुद्धू बीघा हत्याकांड के मामले में तीन प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। थाना अध्यक्ष सचिन कुमार ने बताया कि इस हत्याकांड के सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम गठित कर छापेमारी कारवाई गई, जिसके फल स्वरुप तीनों प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

मिल्क वैन-कार की भिड़ंत में अस्पताल प्रभारी की मौत

मीनापुर। रामपुरहरि थाना क्षेत्र के एनएच स्थित धरमपुर पेट्रोल पंप के समीप बुधवार की सुबह मिल्क वैन और कार की टक्कर हो गई। हादसे में मोकामा अस्पताल के प्रभारी डॉ. प्रिंस कुमार की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी डॉ. मालविका, दो साल का पुत्र और कार चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने सभी को एसकेएमसीएच में भर्ती कराया गया, चिकित्सकों ने वहां डॉ. प्रिंस को मृत घोषित कर दिया।

कटिहार में महिला सरपंच पर हमला

बारसोई (कटिहार)। बारसोई प्रखंड अंतर्गत बेलवा पंचायत के लालटोला वार्ड संख्या 2 में सड़क में मिट्टी भराई कार्य व रास्ते के विवाद में दबंगों ने महिला सरपंच व उनके परिजनों पर कुदाल और लाठी-डंडे से हमला कर दिया। हमले में बेलवा पंचायत की सरपंच परवीन अख्तरी के साथ उनके दो बेटे, दो बहू और पति भी जख्मी हो गए। वहीं मारपीट में दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति को भी चोट आई हैं। आबादपुर थाना अध्यक्ष शैलेश कुमार ने बताया कि सरपंच पर हमले की जानकारी मिली है। पुलिस ने मामले की जांच की। आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। सरपंच अख्तरी ने बताया कि गांव में सड़क किनारे मिट्टी भराई का काम बुधवार को चल रहा था। इसका गांव के कुछ लोग जबरदस्ती विरोध कर रहे थे।

कराटे स्टेट चैंपियनशिप व बेल्ट ग्रेडिंग सम्पन्न

सहरसा। मुंगेर जिले के इनडोर स्टेडियम में 30 , 31 और 1 जून को 36 वां ताइक्वांडो स्टेट एवं 9 वी स्टेट पुमसे चैंपियनशिप को लेकर स्थानीय मनोहर स्कूल परिसर में सलेक्शन ताइक्वांडो संघ सहरसा के द्वारा चयन किया गया। पूर्व स्टेट ताइक्वांडो चैंपियन प्रभुशरण राजपूत ब्लैक बेल्ट, मयंक कुमार सहित, हर्ष, मोहनीश सिंह,अतुल्य मणि,चिराग, शंकर प्रिंस,अगम व लड़कियों में श्रुति प्रज्ञा,मनीषा कुमारी, अन्नू कुमारी, प्रतिभा कुमारी, का सलेक्शन हुआ। सभी ग्रेडिंग में भाग लिए छात्र एवं छात्राएं को ग्रेडिंग सार्टिफिकेट प्रदान किया गया। प्लेयर्स को आगामी स्टेट ताइक्वांडो चैंपियनशिप मुंगेर में मेडल जीतने की शुभकामनाएं दी।

भारत ने पहलगाम हमले का लिया बदला , 25 मिनट तक ताबड़तोड़ हमले

दैनिक बिहार पत्रिका । नयी दिल्ली

पाक व पीओके में आतंकवादियों के नौ ठिकाने ध्वस्त

- जैश हेडक्वार्टर में आतंकी मसूद अजहर के दस रिश्तेदारों की मौत
- पहलगाम हमले में जान गंवाने वालों के परिजनों ने सेना को किया सलाम
- भारत ने जैश, लश्कर और हिजबुल मुजाहिद्दीन के ठिकाने तबाह किए
- भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच विमान सेवाएं प्रभावित
- अमेरिका ने कहा भारत पाकिस्तान की स्थिति पर नज़र बनाए हुए

पहलगाम में निर्मम आतंकवादी हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को चुन चुन कर मारने के सरकार के संकल्प को पूरा करने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में 25 मिनट तक ताबड़तोड़ हमले कर नौ आतंकवादी ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त कर आतंकवादियों के नेटवर्क की कमर तोड़ दी।विदेश सचिव विक्रम मिस्री, सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और वायु सेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बुधवार को यहां राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में देश को छह और सात मई की दरमियानी रात को एक बज कर पांच मिनट से डेढ़ बजे तक चले आॅपरेशन सिंदूर की जानकारी दी।

ब्रीफिंग से पहले एक स्लाइड में बताया गया कि पाकिस्तान कई दशकों से आतंकवाद को बढावा दे रहा है और आतंकवादियों के हमलों में अब तक करीब 350 आम लोग और 600 से अधिक सुरक्षाकर्मी मारे गये हैं। आॅपरेशन सिंदूर में जिन नौ ठिकानों को निशाना बनाया गया है उनमें से चार पाकिस्तान में और पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में हैं। इन ठिकानों पर आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के मुख्यालय, भर्ती , प्रशिक्षण केन्द्र और लांच पैड़ हैं। मिस्त्री ने जोर देकर कहा कि बीती रात सीमा पार की गई कार्रवाई नपी तुली, गैर उकसावे वाली एवं जिम्मेदारी थी जिसका उद्देश्य आतंकवादी ढांचे को नेस्तनाबूद करना और आतंकवादियों को आगे किसी भी ऐसी हरकत के लिए अक्षम बनाना था। इस कार्रवाई में पाकिस्तान के किसी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया। इसमें निर्दोष लोगों की जान नहीं गयी और न ही उनकी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई 25 अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पहलगाम हमले के बाबत जारी बयान की भावना के अनुरूप है। विदेश सचिव ने कहा, पाकिस्तान आधारित आतंकवादी मॉड्यूल पर हमारी खुफिया निगरानी से संकेत मिला था कि भारत पर आगे भी हमले हो सकते हैं, अतः इन्हें रोकना और इसने निपटना दोनों को बेहद आवश्यक समझा गया। आज सुबह भारत ने इस तरह के सीमा पार हमलों का जवाब देने और उन्हें रोकने तथा उनका प्रतिरोध करने के अपने अधिकार का प्रयोग किया है। मिस्री ने कहा कि 25 अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रेस वक्तव्य में टीआरएफ के संदर्भ को हटाने के लिए पाकिस्तान के दबाव पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। पहलगाम आतंकी हमले की जांच से पाकिस्तान के साथ आतंकवादियों के संपर्क उजागर हुए हैं। विदेश सचिव ने पहलगाम हमले की पृष्ठभूमि की पूरी जानकारी दी और कहा, 22 अप्रैल 2025 को लश्कर-ए-तैयबा से संबंधित और पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हमला किया और 25 भारतीय नागरिकों और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी । उन्होंने लोगों को उनके परिवार के सदस्यों के सामने सिर में गोली मारी। परिवार के सदस्यों को जानबूझकर आघात पहुंचाया गया और उन्हें नसीहत दी गई कि वो वापस जाकर इस संदेश को पहुंचा दें। यह हमला स्पष्ट रूप से जम्मू-कश्मीर में बहाल हो रही सामान्य स्थिति को बाधित करने के उद्देश्य से किया गया था। बताया जा रहा है कि आतंकी मसूद अजहर के दस रिश्तेदार मारे गए है। पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ देश में उपजा गम और गुस्सा आज सुबह नए जज्बे के रूप में दिखा। पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ आधी रात बाद किए गए वायु सेना के ऑपरेशन सिंदूर को सुनकर लोगों के कलेजे को कुछ ठंडक पहुंचीं। हमले में अपने परिजनों को गंवाने वालों ने बदला लेने के लिए भारतीय सेना को सलाम करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया।मंगलवार की आधी रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया। भारत ने बिना सीमा पार किए हैमर, संकल्प और मिसाइलों से पाकिस्तान और पीओके के नौ आतंकी शिविरों पर हमला करके जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिद्दीन के ठिकानों को तबाह कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर भारी गोलाबारी शुरू कर दी है। भारतीय सेना ने एलओसी पर पाकिस्तानी गोलीबारी का सटीक जवाब दिया है। भारत द्वारा पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों पर देर रात किए गए हमले के बाद उपजे सैन्य तनाव का असर विमानन सेवाओं पर भी दिखाई देने लगा है। सुरक्षा कारणों से देश के कई हवाई अड्डों से उड़ान सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं। एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी प्रमुख विमानन कंपनियों ने अपने-अपने बयान जारी करते हुए यात्रियों से सतर्कता बरतने और अपडेट रहने की सलाह दी है। एयर इंडिया ने एक बयान में कहा है कि जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट से 7 मई दोपहर 12 बजे तक सभी उड़ानों को रद्द कर दिया गया है। कंपनी ने बताया कि यह निर्णय स्थानीय अधिकारियों से आगे कोई निर्देश मिलने तक लिया गया है। साथ ही अमृतसर की ओर जा रही दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को दिल्ली की ओर मोड़ दिया गया है।अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि वे भारत और पाकिस्तान की स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस टिप्पणी को दोहराया है जिसमें इस टकराव के जल्द शांतिपूर्वक समाप्त होने की उम्मीद जताई गई थी। विदेश मंत्री रुबियो ने कहा कि अमेरिका दोनों देशों की नेतृत्व से बातचीत कर शांति की दिशा में प्रयास करता रहेगा।

सिंदूर ऑपरेशन को लेकर चंदन में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

दैनिक बिहार पत्रिका । चांदन/बांका

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगांव में आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों को धर्म के नाम पर सुहाग उजड़ देने के खिलाफ बीते रात 6 मई को भारतीय नौसेना द्वारा रात करीब 1.05 बजे से 1.30 मिनट तक चलाए गए सिंदूर ऑपरेशन के आलोक में भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष निरंजन सिंह की अध्यक्षता में अपने सैंकड़ो समर्थकों के साथ बुधवार 7 मई को चांदन बस स्टैंड पर एकत्रित हो कर "ऑपरेशन सिंदूर" की सफलता पर जश्न मनाते हुए, भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम को सलाम किया। एवं भारतीय सेना जिन्दावाद के नारे लगाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष निरंजन सिंह ने की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता हरेकृष्ण पाण्डेय, जिलाउपाध्यक्ष चन्दन सिन्हा,बेचन महतों, सुबोध यादव,तरुण दूबे,मुकेश दूबे, भीमलाल चौधरी, रंजन बर्णवाल, नवीन वर्मा,लक्ष्मी राऊत, रंजन दूबे, ज्योतिंद्र चौधरी, सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

एक करोड़ लोगों का हस्ताक्षर अभियान को लेकर जन सुराज पार्टी पदाधिकारी की बैठक आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका । चांदन/बांका

जिले के चांदन प्रखंड मुख्यालय स्थित जन सुराज पार्टी कार्यालय में बुधवार मई को प्रखंड प्रमुख सह जन सुराज पार्टी के जिला अध्यक्ष रवीश कुमार की अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय जन सुराज पार्टी का एक दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन किया । कार्यकर्ता सम्मेलन में जन सुराज पार्टी के जिला अध्यक्ष रवीश कुमार ने पार्टी के तमाम कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पार्टी के विचारधारा एवं उद्देश्य पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि हमारी पार्टी 11 मई से एक करोड़ लोगों का हस्ताक्षर अभियान चलाने जा रही है। जिसमें हम सभी जन सुराज पार्टी के प्रखंड व पंचायत स्तर के कार्यकर्ताओं को पार्टी की मजबूती के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। साथ ही साथ जन सुराज पार्टी का एक अलग पहचान बनाने पर जोर दिया। ताकि आने वाला 2025 बिहार विधानसभा चुनाव में जन सूराज पार्टी बिहार के हर विधानसभा क्षेत्र से विधायक को जीत हासिल हो। कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य रूप से चांदन जन सुराज पार्टी प्रखंड अध्यक्ष अशोक ठाकुर, विधानसभा सहायक गिरधारी राय, रामनारायण यादव मुकेश साह, पवन मंडल, हेमिया देवी,कुनमा देवी, मंजू देवी,बिमली देवी, राजू तुरी ,छोटू शर्मा,मिथलेश शर्मा आदि दर्जनों जन सुराजी कार्यकर्ता शामिल थे।

बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र से 15 लाख नगद 5 करोड़ का गहना लूटकर ले गए बदमाश

रामरूप राय । दैनिक बिहार पत्रिका

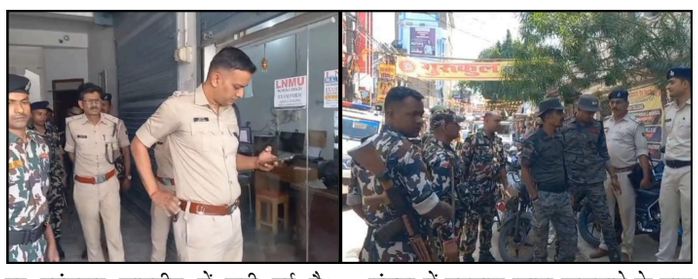

समस्तीपुर। शहर के काशीपुर मोहल्ला स्थित बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र की शाखा में बदमाशों ने बुधवार दिन के करीब 11:30 बजे धाबा बोलकर करीब 15 लख रुपए नगद के अलावा 5 करोड़ रुपए मूल का गहना लूट कर ले गए बदमाशों की संख्या 8 बताई गई है जो हथियार से लैस थे। घटना की सूचना मिलते हैं पुलिस अधीक्षक अशोक मिश्रा के अलावा पुलिस अधीक्षक संजय पांडे समस्तीपुर नगर व मुफस्सिल थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुटी गई है। घटना के संबंध में बैंक के डिप्टी मैनेजर शशि भूषण कुमार ने बतलाया कि दिन के करीब 11:30 बजे पहले दो-तीन की संख्या में बदमाश खाता खुलवाने के नाम पर अंदर प्रवेश किया खाता खोलने के लिए क्या-क्या डॉक्यूमेंट की जरूरत है इस पर बात कर रहे थे इसी दौरान 67 और बदमाश अंदर प्रवेश कर गए सभी लोगों को गन पॉइंट पर ले लिया और बैंक के काउंटर एवं के में रखा 15 लाख 2000 नगद के अलावा करीब 5 करोड रुपए का कहना लूट कर ले गए इस दौरान बदमाशों ने सभी बैंक कर्मी का मोबाइल भी ले लिया। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश आराम से फरार हो गए चुकी जी मार्केट में यह बैंक अवस्थित है उसके नीचे कई दुकानें भी है लेकिन लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी पुलिस के आने के बाद लोगों को यह जानकारी मिल सकी बैंक में लूट हुई है।

संजीवनी महिला ग्राम संघठन में आयोजित, द्वारा आयोजित हुई महिला जनसंवाद कार्यक्रम

दैनिक बिहार पत्रिका । समस्तीपुर

बिहार सरकार ग्रामीण विकास विभाग के माननीय मंत्री श्री श्रवण कुमार ने बुधबार को उजियारपुर प्रखंड के रायपुर पंचयात के संजीवनी महिला ग्राम संघठन में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। महिला संवाद में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि बिहार सरकार ने महिलाओं के उत्थान के लिए दर्जनों योजनाओं को शुरू किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच का नतीजा है कि बिहार की महिलाएं सामाजिक रूप से सशक्त एवं आर्थिक रूप से सबल हुई हैं। उन्होंने कहा कि समूह की दीदियों ने इतिहास रचने का काम किया है। आज जमीन से लेकर आकाश तक जीविका दीदियां एवं उनकी बेटियां अपना नाम रौशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि विकास की कोई भी बात बिना महिला के अधूरी है।

ग्रामीण विकास मंत्री माननीय श्री श्रवण कुमार , उप विकास आयुक्त समस्तीपुर,जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक एवं संकुल संघ की दीदियो द्वारा संयुक्त रूप से महिला संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित कर किया। मौके पर विभिन्न योजनाओं से जुड़ी लाभार्थियों ने अपने अनुभवों को साझा किया। वहीं एक दर्जन से अधिक दीदियों ने अपने आकांक्षाओं से ग्रामीण विकास मंत्री को अवगत कराया। संवाद कार्यक्रम के दौरान वीडियो फ़िल्म का प्रदर्शन सहित अन्य गतिविधियां आयोजित की गयी। कार्यक्रम में बिहार सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण की दिशा में क्रियान्वित महत्वकांक्षी योजनाएं से सम्बन्धित लीफलेट्स एवं माननीय मुख्यमंत्री, बिहार का संदेश भी वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि बिहार सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में क्रियान्वित योजनाओं/कार्यों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आए सकारात्मक बदलाव पर विस्तृत संवाद किये जाने एवं सरकार के स्तर पर योजनाओं के सूत्रण एवं नीति निर्धारण में महिलाओं की आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से समाहित करने के उद्देश्य से महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन सभी जीविका महिला ग्राम संगठन स्तर पर 18 अप्रैल 2025 से आरम्भ है। जिलें में सभी 20 प्रखंडों में जीविका द्वारा गठित कुल 3303 ग्राम संगठन स्तर पर महिला संवाद का आयोजन किया जाना है। अभी तक कुल 936 ग्राम संगठनों में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ है जिसमें 1,93,138 ग्रमीण महिलाओं ने हिस्सा लिया है। आज के महिला संवाद कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त श्री संदीप शेखर प्रियदर्शी, जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक श्री बिक्रांत शंकर सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी उजियारपुर, प्रखंड तथा जिला स्तरीय कर्मी एवं प्रबंधक भी शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के द्वारा प्रखंड परियोजना प्रबंधक श्री अनूप कुमार के द्वारा किया गया।

पटना सहित बिहार के छह जिलों में हुआ मॉक ड्रिल का आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका । पटना

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बीच आज देश भर में हवाई हमले की स्थिति में खुद को बचाव की तैयारी के लिए मॉक ड्रिल (रिहर्सल) का आयोजन किया गया ।

बिहार के 6 जिलों में मॉक ड्रिल को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। शाम 6.58 बजते ही शहरी क्षेत्रों में हमले की चेतावनी देते हुए सायरन बजाए गए। सायरन बजते ही पटना, पूर्णिया, कटिहार, अररिया, किशनगंज और बेगूसराय में बिजली काट दी गई। 7 बजकर 10 मिनट तक पावर कट रहा। इस दौरान लोगों से घर-दुकानों में इन्वर्टर से भी लाइट न जलाने की अपील की गई थी। सड़क पर वाहनों को रुकवाकर उनकी लाइटें बंद करवाई गई । पटना के महावीर मंदिर की लाइट आधा घंटा पहले ही बंद कर दी गई थी। बिहार की औद्योगिक नगरी बेगूसराय में मॉक ड्रिल के तहत शहर में 10 मिनट तक ब्लैकआउट रहा। सायरन बजने के बाद शहर की बिजली काट दी गई।

लोगों ने भी अपने घरों की इन्वर्टर से लाइट बंद कर दी उल्लेखनीय है कि मंगलवार की देर रात भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में घुसकर आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और जैश के ठिकानों पर जबरदस्त बमबाजी की। भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया। इस हमले में आतंकवादियों के 9 ठिकाने पूरी तरह से तबाह हो गए। भारत ने यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद की।

तीन दिवसीय मद् भागवत को लेकर कलश शोभा यात्रा

दैनिक बिहार पत्रिका । चांदन/बांका

आनंदपुर थाना क्षेत्र के असोढा पंचायत अंतर्गत कुसुमघट (लहरनिया)में तीन दिवसीय दिनांक 6 मई से 9 तक होने वाली श्री श्री 108 श्री मद्भागवत कथा ज्ञान को लेकर मंगलवार 6 मई को 11 कन्या द्वारा कलश सोभा यात्रा निकाली गई। कलश सोभा यात्रा में पूजक महेंद्र नारायण सिंह तथा इनके धर्म पत्नि निर्मला देवी के सानिध्य में पुरोहित आचार्य रमेश चंद्र मिश्र द्वारा विधिवत वैदिक मंत्रोचार के शुभारंभ किया. कलश सोभा यात्रा के आयोजन में गांव सैकड़ो ग्रामीण भक्त शामिल हुए। जिसमें

ढोल बाजा गाजा के साथ हाथ में ध्वाजा लहराए और जय श्रीराम को उद्घोष करते हुए गांव अवस्थित पुराने पोखर में जल भरकर यज्ञ स्थल तक पहुंचे और कलश स्थापित कर रात्री आठ बजे से बाहर बजे मद्भागवत कथा ज्ञान का शुभारंभ किया. आयोजन 9 मई शुक्रवार को हवन पूजन के साथ पूर्णाहुति किया जाएगा। इस आयोजन को सफल बनाने में मुख्य रूप से शिक्षक किशोर सिंह, संजय सिंह, मदन मोहन सिंह, सदन प्रसाद सिंह, यशवंत प्रसाद सिंह सदानंद सिंह नागेश्वर सिंह, दिनेश प्रसाद सिंह, दीप नारायण सिंह, कृष्णानंद सिंह, विमल सिंह, सुधीर सिंह, जवाहर सिंह, सुरेश सिंह, रणजीत सिंह, सत्यनारायण बरनवाल, नंद गोपाल सिंह, अमरदीप सिंह, कुनकुन यादव, यदु यादव, लीलू यादव, संजय सिंह, आदि का महत्वपूर्ण योगदान बना रहा।

पाकिस्तान पर हुए एयरस्ट्राइक से जदयू नेताओं ने जताई खुशी

दैनिक बिहार पत्रिका । गया

पहलगाम आतंकी हमले का मंगलवार की देर भारत ने बदला ले लिया। भारत ने एयरस्ट्राइक कर पाकिस्तान में आतंकी को ढेर कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था की कल्पना से परे कीमत चुकानी पड़ेगी। उसका रिजल्ट देश वासियों के सामने है। जदयू प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल ने कहा कि ये नया भारत और एनडीए की सरकार है, कोई भारत के स्मिता पर चोट करेगा उसको इसी तरह मिट्टी में मिलाने का काम करेगा। खुशी मनाने में प्रदेश महासचिव चंदन कुमार सिंह,जदयू महानगर अध्यक्ष राजू बर्नवाल,शौकत अली, कुमार गौरव, अरुण राव, चंदन यादव, विक्की सिंह, अरविंद प्रियदर्शी, पूनम कुशवाहा, धनंजय शर्मा,अजीत शर्मा,गोल्डी,सोनम, मितांबरा लोहड़े सहित अन्य नेता शामिल थे।

गया के शेरघाटी विधानसभा से समाज सेवी संतोष कुमार गुप्ता विधानसभा के प्रबल दावेदार

दैनिक बिहार पत्रिका । गया

बिहार का चुनाव जैसे जैसे नजदीक आ रहा है हर लोग टिकट लेने के लिए जी जान लगाए हुए हैं।इस साल 2025 के अंत में बिहार विधानसभा चुनाव होने वाले हैं ।वैश्य बाहूल श्रेत्र होने के कारण वैश्य समाज में अपनी इस गृह विधानसभा रहने वाले और हर व्यक्त जनता को उपलब्ध रहने वाले पूर्व मुखिया, गया जिला मद्धेशिया समाज के जिलाध्यक्ष,बिहार प्रदेश के भाजपा किसान मोर्चा प्रवक्ता सह पूर्व भी प्रत्याशी के रेश में रहने वाले एवं बिस सालो से जनता की सेवा करते आ रहे हैं समाजसेवी संतोष कुमार गुप्ता जो शेरधाटी के रहने वाले हैं इस शेरधाटी विधानसभा के लोगों और तिनो प्रखंड के लोगों के दिल में बसने वाले संतोष कुमार गुप्ता पुरी संभावना इस बार जताई जा रही है। शेरघाटी के जनता द्वारा। इन्होंने एण्डीए एवं भाजपा केन्द्रीय एवं बिहार नेतृत्व से इस बार टिकट देने की मांग की है । संतोष कुमार गुप्ता ने फोन पर संवाददाता को बताया कि मै इस शेरधाटी विधानसभा से पिछले पांच सालों से तिनो प्रखंड में हर समाज के साथ हर सुख दुख मे हमेशा खड़ा रहता हूं और पिछले विधानसभा चुनाव में भी मै दावेदारी की थी। जदयू के टिकट के कारण नही मिल सका, इस शेरधाटी विधानसभा में वैश्य समाज के सभी घटक एव सभी उप

जातियां का समर्थन मुझे हमेशा मिलते आ रहा है। संतोष कुमार गुप्ता जिला भाजपा से प्रदेश भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता के रुप में काम करते आ रहे हैं। भाजपा के साथ कभी गद्दार का काम नही किया हू नही करुंगा। राष्ट्रीय से लेकर प्रदेश एवं जिले के हर कार्यक्रम में शामिल होते आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं निर्मला सीतारमण एवं अमित शाह एवं बिहार सरकार ने वैश्य समाज के लोगों के लिए काफी फायदेमंद सुविधा उपलब्ध कराई गई है। प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जनता ने मांग की इस बार संतोष कुमार गुप्ता को शेरघाटी विधानसभा से प्रतिनिधित्व करने का मोका दिया जाए ।हर बार वैश्य समाज को टिकट नहीं दिया गया इस गया जिला एवं वैश्य बाहुल श्रेत्र शेयधाटी विधानसभा से। वैश्य समाज की राजनीति में बहुत कम लोग हैं, शेरघाटी विधानसभा वैश्य बाहुल होने के कारण इस बार पिछले बार नही टिकट मिलने वाले और हर समय 24 घंटे 365 दिन इसी विधानसभा के लोगों के बिच रहने वाले संतोष कुमार गुप्ता को टिकट दिया जाना चाहिए। लोकसभा चुनाव में भी वैश्य समाज की घोर उपेक्षा की गई थी । वैश्य समाज के साथ सभी समाज और गरिबो की मांग है कि इस बार पिछली गलती नही दोहरना चाहिए,इस बार संतोष कुमार गुप्ता को शेरघाटी विधानसभा से टिकट दिया जाना चाहिए,हर समाज के साथ साथ वैश्य समाज के साथ हमेशा दुख दर्दे एवं उनके बातो को केन्द्रीय नेतृत्व और बिहार सरकार तक पहुंचाने का काम करते आ रहे हैं तैलिक समाज के जिला अध्यक्ष भी संतोष गुप्ता और वैश्य समाज के राष्ट्रीय स्तर पर कयी पदो पर रह रहे हैं।

भारतीय सेना की ऐतिहासिक सफलता के उपलक्ष्य में डॉ. मनीष पंकज मिश्रा के नेतृत्व में भव्य समारोह का आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका । गया

भारत के वीर सैनिकों की बहादुरी पर गया जी मे जश्न भारतीय जनता पार्टी गया जिला किसान मोर्चा के सह प्रभारी डॉ मनीष पंकज मिश्रा के नेतृत्व में जशन मनाते हुए कहा भारत के निर्दोष नागरिकों का बदला लेने के लिए भारतीय सेना ने एक बार फिर अपने अद्भुत पराक्रम और साहस का परिचय दिया है। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठन पर किए गए इस निर्णायक हमले में सैकड़ों आतंकवादी मारे गए, जिससे न केवल निर्दोष नागरिकों सहित पुलवामा सैनिकों की आत्मा को शांति मिली, बल्कि पूरे देश में गर्व और उत्साह की लहर दौड़ गई। यह हमला सिर्फ सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि भारत की सुरक्षा और संप्रभुता के प्रति हमारी अटूट निष्ठा का प्रतीक है।भारतीय सेना की इस ऐतिहासिक सफलता के उपलक्ष्य में गया जी की पावन धरती पर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के सह प्रभारी डॉ. मनीष पंकज मिश्रा के नेतृत्व में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और वीर सैनिकों की इस साहसी कार्रवाई का अभिनंदन किया।इस अवसर पर पताका फहराई गई, रंग-बिरंगी आतिशबाजी की गई और मिठाइयाँ बाँटी गईं। भारत माता की जय नारा गूंज उठा

हर भारतीय चेहरे पर गर्व और उत्साह की झलक थी। यह आयोजन देशभक्ति की यह संदेश दे रहा था कि देश की सुरक्षा में लगे हर सैनिक के साथ पूरा भारत खड़ा है। इस मौके पर भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता ने कहा देश के ओजस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस निर्णायक कदम के लिए धन्यवाद दिया है। देश की रक्षा नीति को मजबूती देने वाले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं देश के अंदरूनी सुरक्षा को सुदृढ़ करने वाले गृह मंत्री श्री अमित शाह जी को भी हार्दिक शुभकामनाएँ की गईं।
गया जी की भूमि से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि जब बात देश की सुरक्षा की आती है, तो भारत एकजुट हो जाता है। भारत शांति चाहता है लेकिन आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब देने में भी पीछे नहीं हटता। भारतीय सेना के जवानों के पराक्रम और केंद्र सरकार के सशक्त नेतृत्व ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भारत की संप्रभुता और सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। आज के जशन कार्यक्रम में पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ताभाजपा के वरिष्ठ नेता राणा रणजीत सिंह पूर्व महामंत्री गोपाल प्रसाद यादव पूर्व मीडिया प्रभारी संतोष ठाकुर सुनील रविदास कुंदन सिंह महेश यादव मंटू कुमार बबलू गुप्ता पुरुषोत्तम कुमार सहित दर्जनों लोग लोग तिरंगा झंडा लेकर भारत माता की जय का नारा लगा रहे थे।

समाजसेवी के निधन पर जताया शोक

महिषी । महिषी निवासी सामाजिक कारोबार में सहभागिता रखने वाले करीब 72 वर्षीय नव कांत मिश्र उर्फ राजा जी का हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उनके निधन पर महिषी उत्तरी पंचायत की मुखिया सोनी कुमारी सरपंच दुर्गा कुमारी पंसस आशुतोष कुमार झा व इंद्र कुमार दास, पूर्व प्रमुख सियाराम सिंह, पूर्व सरपंच निशा कांत ठाकुर, प्रो.अशोक झा, मनोज मिश्र, विनय ठाकुर, पशुपतिनाथ चौधरी, श्रीकृष्ण झा, व्यापार मंडल अध्यक्ष जवाहर ठाकुर, पैक्स अध्यक्ष सोहन झा, पूर्व मुखिया गणेश बढ़ई, प्रतिभा चौधरी, नितिन ठाकुर बौआ, मालिक झा, भगवान झा, अनिलकान्त मिश्र सहित अन्य ने गहरी संवेदना व्यक्त किया है।

अमेरिकी विश्वविद्यालय में शालिनी हुई पुरस्कृत

सहरसा। शहर के पुरब बाजार निवासी ब्रहमदेव भगत एवं शिक्षिका रेणू भगत की एकमात्र पुत्री शालिनी श्री अमेरिका विश्व विद्यालय द्वारा पुरस्कृत की गई। शालिनी के पिता ने बताया कि अमेरिका के बॉस्टन स्थित नार्थइस्टर्न यूनिवर्सिटी में मास्टर ऑफ साईन्स (एम. टेक.) इन इन्फोरमेशन सिस्टम के फाईनल परीक्षा में सफलता अर्जित की है। शालिनी ने बताया कि अभी वो अमेरिका में ही रहकर पी.एचडी. करेंगी उसके बाद भारत आकर अपने देश एवं समाज हीत में कार्य करना चाहेंगी।

सत्तर कटैया: गोद भराई रस्म का आयोजन

सत्तर कटैया। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायत अवस्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर गोद भराई रस्म का आयोजन किया गया। सेविका-सहायिका द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र को आकर्षक ढंग से सजाया गया। इस मौके पर विभिन्न केन्द्र पर रंगौली बनाकर लोगों को जागरूक किया गया। सेविका ने एल एस एवं पोषक क्षेत्र के लाभार्थियों के साथ गर्भवती महिलाओं का गोद भराई कर यह रस्म किया। एल एस ने निरीक्षण के दौरान सेविका को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिया। गोद भराई रस्म को लेकर आंगनबाड़ी केंद्र पर उत्साह देखा गया।

आकार लेने लगी तिलकामांझी की प्रतिमा

भागलपुर। टीएमबीयू में लगने वाली तिलकामांझी की प्रतिमा आकार लेने लगी है। मंगलवार को विवि गेस्ट हाउस में निर्माण समिति के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. जवाहर लाल ने की। इस दौरान वीडियो कॉल के जरिए प्रतिमा निर्माण कर रहे कलाकार ने प्रतिमा का स्वरूप दिखाया। वहीं प्रतिमा अनावरण कराने के लिए भारत की राष्ट्रपति को बुलाने पर प्रक्रिया चल रही है।

टीपी कॉलेज में मनी रविन्द्रनाथ की जयंती

मधेपुरा। टीपी कॉलेज में बुधवार को नोबेल पुरस्कार विजेता दार्शनिक गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्य प्रो. कैलाश प्रसाद यादव ने कहा कि रवीन्द्रनाथ बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. रत्नदीप ने कहा कि रवीन्द्रनाथ ने विश्व भारती, शांतिनिकेतन की स्थापना करके शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अवदान दिया है। विभागाध्यक्ष डॉ. सुधांशु शेखर ने कहा कि रवीन्द्रनाथ ने दुनिया को मानवतावाद एवं अंतरराष्ट्रीयतावाद का संदेश दिया है।

खेलो इंडिया में सहरसा के सोनू का चयन

सहरसा। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में सहरसा के एक खिलाड़ी का भी चयन किया गया है। बरियाही निवासी राजकुमार पोद्दार व अनिता देवी के पुत्र सोनु कुमार के चयन पर लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है। जिला खेल पदाधिकारी शैलेन्द्र कुमार ने कहा कि सहरसा में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। हाकी जैसे खेल में खिलाड़ियों का आगे बढना गौरव की बात है। सोनु की प्रतिभा पर विभिन्न खेल संघ सहित खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

करांटे स्टेट चैंपियनशिप व बेल्ट ग्रेडिंग सम्पन्न

सहरसा। मुंगेर जिले के इनडोर स्टेडियम में 30 , 31 और 1 जून को 36 वां ताइक्वांडो स्टेट एवं 9 वी स्टेट पुमसे चैंपियनशिप को लेकर स्थानीय मनोहर स्कूल परिसर में सलेक्शन ताइक्वांडो संघ सहरसा के द्वारा चयन किया गया। पूर्व स्टेट ताइक्वांडो चैंपियन प्रभुशरण राजपूत ब्लैक बेल्ट, मयंक कुमार सहित, हर्ष, मोहनीश सिंह,अतुल्य मणि,चिराग, शंकर प्रिंस,अगम व लड़कियों में श्रुति प्रज्ञा,मनीषा कुमारी, अन्नू कुमारी, प्रतिभा कुमारी, का सलेक्शन हुआ। साथ साथ सभी ग्रेडिंग में भाग लिए छात्र एवं छात्राएं को ताइक्वांडो संघ के सचिव एवं मुख्य प्रशिक्षक कल्पतरु टिंकू सिंह तृतीय डन ब्लैक बेल्ट, नेशनल रेफरी के द्वारा ग्रेडिंग सार्टिफिकेट प्रदान किया गया। मीडिया प्रभारी चंदन भारती,उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह, संघ मेंबर रोहित राज, महेश कुमार ने प्लेयर्स को आगामी स्टेट ताइक्वांडो चैंपियनशिप मुंगेर में मेडल जीतने की शुभकामनाएं दी।

पूरे शहर में ब्लैक आउट के दौरान 10 मिनट के लिए छाया अंधेरा

पूर्णिया। पूर्णिया शहर में जैसे ही 7:00 बजे सायरन बजी, वैसे ही पूरे शहर की बत्ती गुल हो गई । लोगों ने इसमें अपनी अहम भूमिका निभाई और अपने-अपने घरों की बत्ती बंद करके रखी। सड़कों पर चलने वाले वाहन रुक गए और उन्होंने भी अपनी बत्ती बुझा ली। लोगों का कहना था कि बहुत अलग ही तरह का समर्थन भाव पूर्णिया की जनता ने दिखाया। पाकिस्तान से चल रहे तनाव और युद्ध के बीच यह मॉक ड्रिल किया गया। पूर्णिया में एक बड़ा एयर फोर्स स्टेशन है जो बहुत ही पुराना है और यहां से हमेशा वायु यान एवं सैनिकों का ट्रांजिट होते रहता है।जब अब युद्ध का समय आया है तो यहां काफी सरगर्मी बढ़ गई है।

भारतीय सेना ने ' सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में घुसकर आतंक के अड्डों को किया नेस्तानाबूद: नितिन

दैनिक बिहार पत्रिका । खगड़िया

विगत 22 अप्रैल को हुए पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों और हिंदू लक्षित हिंसा के बाद देशवासियों में काफी आक्रोश भर चुका था। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पहलगाम आतंकी हमले में मिटाए गए सिंदूर का सफलतापूर्वक बदला लेने के लिए भारतीय सेना और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को हार्दिक बधाई व साधुवाद। आतंकवादियों के शरणस्थली पाकिस्तान में घुसकर आतंकी अड्डों को मिट्टी में मिला कर हमारी जाबांज सेना ने यह बता दिया है कि भारत को यदि कोई छेड़ेगा तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। ये बातें विश्व हिंदू परिषद के प्रांत सह विशेष संपर्क प्रमुख नितिन कुमार ने श्री राम जानकी मंदिर स्टेशन परिसर में विजय शंखनाद की शुरुआत पर हनुमान जी की अराधना के बाद कही। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर एक मिशन नहीं बल्कि आतंकवाद के सफाई के लिए प्रचंड शुरुआत है। हम

ह्रदय से अभिनंदन करते हैं उन जवानों का जिन्होंने दुश्मन के घर में घुसकर उनका सफाया किया है। इस ऑपरेशन के द्वारा हाफिज शहीद और मसूद अजहर के आतंकी ठिकानों का सफाई किया गया है। इसमें इन दोनों के परिवार के कई सदस्य 72 हुरो से मिलने पहुंच चुके हैं। पाकिस्तान ने बारूद की ढेर पर चिंगारी फेंकने की गलती की थी, अब उसे जलकर राख होने के लिए तैयार रहना चाहिए। प्रान्त टोली सदस्य विकास चन्द्र सिंह ने कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि 1971-72 के भारत पाक युद्ध के साक्षी रहे हैं और वर्तमान समय में जो स्थिति है उसमें युद्ध का शंखनाद हो चुका है और इस युद्ध में भी हम तन, मन, धन से अपनी मातृभूमि के साथ खड़े रहेंगे । वहीं समाजिक कार्यकर्ता प्रेम कुमार यशवंत एवं विहिप के जिला कोषाध्यक्ष मनीष गुप्ता ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर अभी मात्र झांकी है, आगे पूरी पिक्चर बाकी है। इस्लामी जिहादियों ने मंगलवार के दिन जो कायराना हरकत की है, उसके जवाब की शुरुआत मंगलवार की रात्रि में देना शुरू कर दिया गया है। विश्व हिन्दू परिषद् के सभी सदस्य अपने रक्त के एक-एक बूंद के साथ मां भारती के सपूतों के साथ रहने के लिए तैयार है।इस अवसर पर मंदिर के पुरोहित उमेश्वर पाठक, नगर अध्यक्ष नीरज गुप्ता, जिला सह संयोजक अभिमन्यु कुमार, प्रभु साह, अभिषेक, आनंद सहित दर्जनों सदस्य उपस्थित थे

पाकिस्तान पर हमले का स्वागत, गोगरी के कन्हैया टेकरीवाल बोले - 'ऐसी कार्रवाई जरूरी थी'

दैनिक बिहार पत्रिका । गोगरी/खगड़िया

पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर जबरदस्त हमला किया। इस कार्रवाई को लेकर गोगरी निवासी कन्हैया टेकरीवाल ने सेना का समर्थन करते हुए कहा कि पाकिस्तान को सबक सिखाना बेहद जरूरी था। उन्होंने कहा, "हमारे देश के जवानों ने जो साहसिक कदम उठाया है, वह पूरी तरह से उचित है। आतंकवादी संगठनों को नेस्तनाबूद करने के लिए ऐसे ऑपरेशनों की सख्त जरूरत है।"
टेकरीवाल ने आगे कहा कि पहलगाम में निर्दोष हिंदू तीर्थयात्रियों पर हुए हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। "यह

हमला केवल निर्दोषों पर हमला नहीं था, बल्कि हमारे देश की सुरक्षा और सम्मान पर हमला था। ऐसे में पाकिस्तान को सख्त चेतावनी देने के लिए यह कार्रवाई एक ऐतिहासिक कदम है," कन्हैया ने कहा। उन्होंने केंद्र सरकार और भारतीय सेना के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि पाकिस्तान को उसकी हर नापाक हरकत का करारा जवाब दिया जाए। उन्होंने आम जनता से भी अपील की कि वे अपने देश के जवानों के समर्थन में खड़े हों और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहें। गोगरी के युवा नेता कन्हैया टेकरीवाल के इस बयान से इलाके में चर्चा का माहौल बन गया है। लोगों का कहना है कि ऐसे साहसिक कदमों की जरूरत लंबे समय से थी। अब देखना यह है कि पाकिस्तान इस कार्रवाई के बाद क्या प्रतिक्रिया देता है।

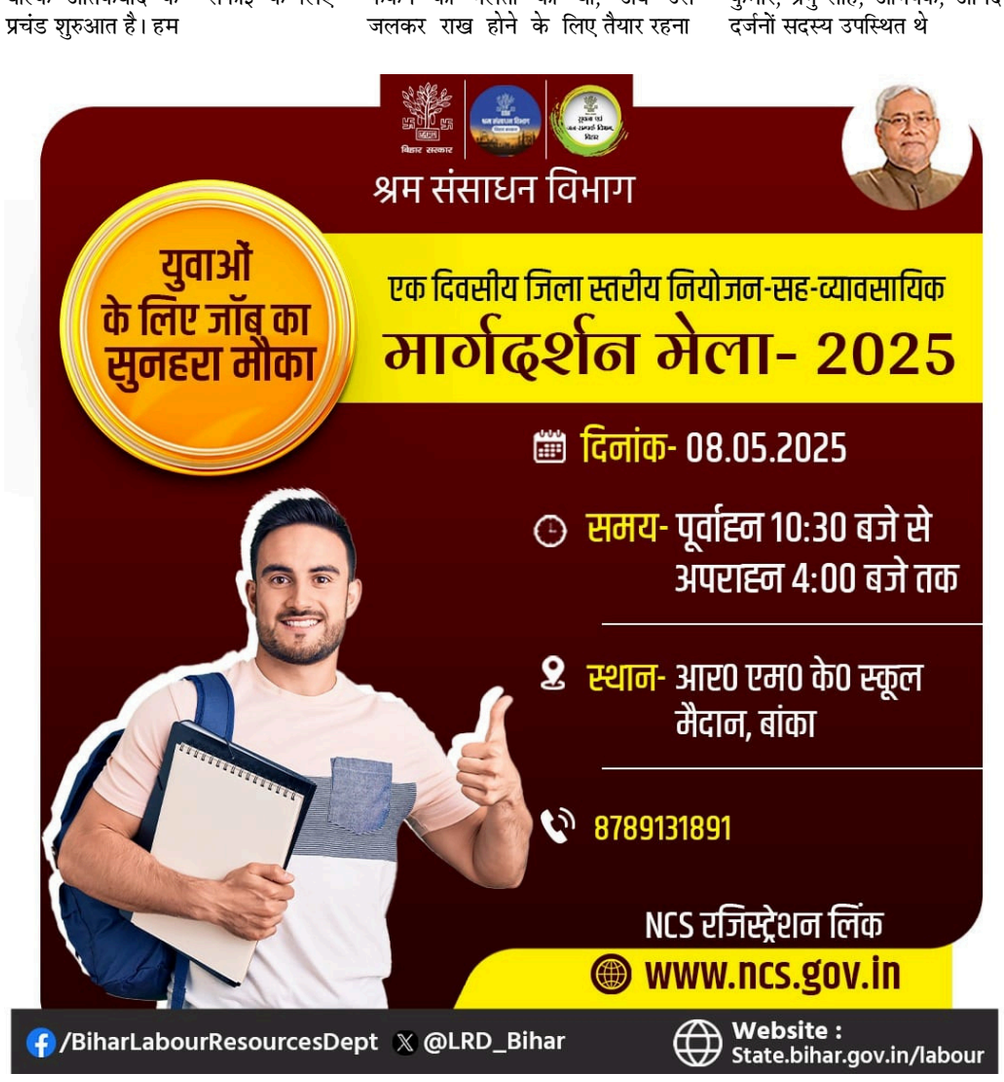

भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था सख्त, सशस्त्र सीमा बल ने चौकसी बढ़ाई

बगहा (एजेंसी)। बिहार में संभावित आतंकी हमले के इनपुट के बाद भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था सख्त की गई है। बगहा के इंडो नेपाल-बॉर्डर वाल्मिकीनगर स्थित सीमा पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने चौकसी बढ़ा दी है। सुरक्षाबलों की ओर से यात्रियों के सामानों की जांच भी विशेष मशीनों की मदद से की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि को पकड़ा जा सके। इतना ही नहीं एसएसबी के अधिकारी लगातार पेट्रोलिंग कर रहे हैं और प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर निगरानी रखी जा रही है। पुलिस मुख्यालय ने राज्य के सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रखा है और खासकर सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा के विशेष निर्देश जारी किए हैं। वाल्मिकीनगर सीमा पर हर गतिविधि पर बारीकी से नजर रखी जा रही है और लोगों से भी सतर्क रहने की अपील की गई है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर राजनीति नहीं होनी चाहिए : प्रशांत किशोर

पूर्णिया (एजेंसी)। भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' पर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आतंकवाद के खिलाफ सेना की कार्रवाई का पूरा देश समर्थन करता है, लेकिन इस मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। पूर्णिया में उद्घोष यात्रा के दौरान पत्रकारों से बातचीत में प्रशांत किशोर ने कहा, आतंकवाद के खिलाफ सेना जो भी

कार्रवाई करती है, वह पूरी तरह उचित है। लेकिन इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। यह एक गंभीर मुद्दा है, जिसमें देश के नागरिकों और जवानों की जान दांव पर होती है। प्रशांत किशोर ने कहा कि सरकार को आतंकवाद के खिलाफ कठोर और निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए ताकि यह समस्या दोबारा सिर न उठा सके। उन्होंने कहा कि सेना और सुरक्षा एजेंसियों को बिना किसी हस्तक्षेप के अपना काम करने देना चाहिए। प्रशांत किशोर ने स्पष्ट किया कि जन सुराज परिवार पूरी तरह से भारतीय सेना के साथ खड़ा है और प्रार्थना करता है कि किसी भी भारतीय नागरिक या जवान को किसी भी तरह का नुकसान न पहुंचे। प्रशांत किशोर ने मीडिया से भी अपील की कि वह इस मुद्दे पर संयम बरते और इसे सनसनीखेज बनाने से बचे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद एक गंभीर चुनौती है और इसे केवल सेना और सुरक्षा एजेंसियों के अनुभव और विशेषज्ञता से ही निपटा जा सकता है। गौरतलब है कि भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए हैं, जिसके बाद देशभर में उत्साह और जश्न का माहौल है। हालांकि, प्रशांत किशोर जैसे नेता इस पर राजनीतिक बयानबाजी से बचने और केवल सेना के समर्थन पर जोर दे रहे हैं।

कुत्तों का आतंक! अब तक 250 लोगों को काटा, घर से निकलने से डर रहे लोग

फरीदाबाद (एजेंसी)। बल्लभगढ़ के पंजाबी मोहल्ले में आवारा कुत्तों का आतंक है यहां लोगों का घर से निकलना मुश्किल है। लोगों का कहना है कि सुबह-सुबह दो कुत्ते लगातार लोगों को काट रहे हैं जो भी गली में आता जाता है, उन पर हमला कर देते हैं। अब तक करीब 250 लोगों को यह कुत्ते काट चुके हैं। इस डर से लोग घर से बाहर निकलने में डर रहे हैं, जिन्हें जरूरी काम से बाहर जाना होता है तो वह डंडा लेकर निकलते हैं। एक स्थानीय निवासी ने बताया सुबह-सुबह ही ये कुत्ते लोगों को काट रहे हैं। पार्षद से इसकी शिकायत की थी, उन्होंने कहा कि वह बाहर हैं कुछ नहीं कर सकते। अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोगों को काट चुके हैं। मोहल्ले की रहने वाली एक महिला ने बताया सुबह 8 बजे से ही मोहल्ले में दहशत का माहौल है। हर किसी के हाथ में डंडा रहता है कोई भी बाहर निकलने की हिम्मत नहीं कर रहा। बच्चे महिलाएं सब डरे हुए हैं। शिकायत के बाद भी नगर निगम कार्रवाई नहीं कर रहा है। मोहल्ले के पार्षद भी कुछ नहीं कर पा रहे हैं।

बम की धमकी के बाद इंडिगो के विमान की मुंबई में आपात लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंडीगढ़ से उड़ान भरने वाले इंडिगो के एक विमान ने बम होने की धमकी मिलने के बाद छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग की। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी के अनुसार, हवाई अड्डे के हॉटलाइन नंबर पर मंगलवार को बम होने की धमकी वाला फोन आया था। मुंबई हवाई अड्डे के सूत्र ने बताया, ''इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-6382 में बम होने संबंधी धमकी के कारण हवाई यातायात नियंत्रण कक्ष ने मंगलवार को अपराह्न 2:32 बजे पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया।'' सूत्र ने विमान में मौजूद लोगों की संख्या का खुलासा किए बिना बताया कि विमान दोपहर 14.57 बजे सुरक्षित रूप से उतरा और सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार जांच के लिए उसे एक अलग स्थान पर ले जाया गया। उन्होंने बताया कि विमान में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। पुलिस अधिकारी ने बताया कि विमान की गहन जांच की गई लेकिन इसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

पिछले चार महीनो में 17 छात्रों की आत्महत्या

-सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रूख अख्तियार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने छात्रों की आत्महत्या के मामले में कडा रुख अख्तियार किया है। जनवरी 2025 से लेकर 5 मई के बीच में अभी तक 17 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा है, क्या इन बच्चों की आत्महत्या के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पादरीवाला और आर महादेवन की संयुक्त पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार को आदेश दिया है। वह आत्महत्या के मामलों से संबंधित पुलिस स्टेशन से जल्द से जल्द रिपोर्ट प्राप्त कर खंडपीठ को जानकारी दें। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आईआईटी खडगपुर और कोटा में नीट की तैयारी कर रही छात्रा द्वारा आत्महत्या के मामले में गंभीरता दिखाते हुए रजिस्ट्री को आदेश दिया है। आईआईटी खड़गपुर के तीसरे वर्ष के सिविल इंजीनियरिंग के छात्र मोहम्मद आसिफ द्वारा 4 मई को हॉस्टल के कमरे में फंदे पर लटक कर आत्महत्या की है।

चुनाव से पहले नितीश को याद आये बेरोजगार

- सत्तारूढ़ गठबंधन को अपनी साख बचाने की चुनौती

- युवाओं की नाराजगी को शांत करने की कोशिश

पटना (एजेंसी)। बिहार में 2025 विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां बढ़ते ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बेरोजगारों की याद आ गई है। मंगलवार को उन्होंने अपने आवास पर बीजेपी नेताओं के साथ बैठक की और राज्य में 10 लाख लोगों को रोजगार देने का वादा किया। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ चुनावी वादा है या सरकार सच में युवाओं को रोजगार देने का इरादा रखती है?

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बैठक में बीजेपी नेताओं से राज्य के विकास, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा की। लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित किया उनके उस बयान ने, जिसमें उन्होंने कहा कि उनकी सरकार राज्य में 10 लाख नए रोजगार देगी। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब बिहार में चुनावी मौसम शुरू हो चुका है और सत्तारूढ़ गठबंधन को अपनी साख बचाने की चुनौती है। बिहार में बेरोजगारी लंबे समय से एक गंभीर समस्या रही है। राज्य के लाखों युवा हर साल रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। ऐसे में चुनाव से ठीक पहले 10 लाख रोजगार का वादा करना नीतीश सरकार की युवाओं की नाराजगी को शांत करने की कोशिश मानी जा रही है।

यह पहली बार नहीं है जब नीतीश कुमार ने रोजगार देने का वादा किया है। 2020 के विधानसभा चुनाव में भी नीतीश सरकार ने 19 लाख रोजगार देने का दावा किया था। लेकिन विपक्ष का आरोप है कि सरकार अपने पिछले वादों को पूरा करने में नाकाम रही है और अब चुनावी मौसम में फिर से पुराने वादों को दोहराया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीजेपी नेताओं से उनके मंत्रालयों के कामकाज की जानकारी ली और 'प्रगति यात्रा' के दौरान किए गए वादों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। हालांकि बैठक के बाद बीजेपी नेताओं ने मीडिया से कोई बयान नहीं दिया, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि यह बैठक चुनावी रणनीति को लेकर थी।

क्या वादा सिर्फ चुनाव तक?

बिहार की जनता यह सवाल कर रही है कि क्या यह वादा सिर्फ चुनाव तक ही सीमित रहेगा या वाकई सरकार इसे पूरा करेगी? विपक्षी दल इसे चुनावी चाल बता रहे हैं, जबकि नीतीश सरकार इसे राज्य के विकास का हिस्सा कह रही है। अब देखना होगा कि नीतीश कुमार का यह वादा बिहार के युवाओं को कितना भरोसा दिला पाता है और चुनाव के नतीजों पर इसका क्या असर पड़ता है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बीजेपी को अपना नया बॉस चुनने में हो सकती है देरी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नए अध्यक्ष का चुनाव होना है। बीजेपी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं। बीजेपी पार्टी को चुनाव के लिए बस हरी झंडी का इंतजार था। लेकिन अब पहलगाम आतंकी हमले और इसके जवाब में ऑपरेशन सिंदूर के बाद बनी परिस्थितियों में इसमें देरी हो सकती है।

बीजेपी संगठन चुनाव को लेकर स्थिति अभी कुछ साफ नहीं है। बीजेपी सूत्रों के अनुसार जेपी नड्डा के बाद अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए सारी प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। पार्टी ने अब तक 14 राज्यों में संगठन चुनाव पूरे कर लिए हैं और 13 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए नाम फाइनल हो चुका हैं।

बीजेपी के संविधान के मुताबिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कराने के लिए करीब 18 राज्यों में संगठन चुनाव की प्रक्रिया का पूरा होना जरूरी है। जिन राज्यों में चुनाव हुए थे, वहां भी संगठन चुनाव की प्रक्रिया जोरों पर है। महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली में भी प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव अगले 15-20 दिनों में हो सकता है। पार्टी के मुताबिक नए अध्यक्ष को लेकर बनी असमंजस की स्थिति के बावजूद संगठन के काम की रफ्तार तेज है। एक दिन पहले ही राष्ट्रीय महासचिवों के साथ बैठक कर पार्टी नेतृत्व ने कार्यक्रमों की समीक्षा की। दरअसल, बीजेपी ने बीते महीने से चार देशव्यापी अभियान शुरू किए थे। पार्टी के स्थापना दिवस पर एक हफ्ते का गांव चलो, बस्ती चलो अभियान की शुरुआत हुई थी। अभियान के तहत पार्टी के नेताओं ने देशभर के करीब ढाई लाख गांवों में करीब छह लाख बूथ तक पहुंचकर जनसंपर्क किए।

सरकार ने लागू की कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम, सड़क हादसे में घायल का होगा मुफ्त इलाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम 2025 की शुरुआत की है, जो 5 मई 2025 से पूरे देश में लागू हो चुकी है। इस योजना का उद्देश्य सड़क हादसों में घायल लोगों को तुरंत और बेहतर इलाज मुहैया कराना है, ताकि उनकी जान बचाई जा सके।

जानकारी के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना का शिकार होता है, तो उसे 1.5 लाख तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। यह इलाज पहले 7 दिनों तक किसी निर्धारित अस्पताल में कैशलेस इलाज कराया जा सकेगा। इसका मतलब है कि आपको न तो जेब से पैसे निकालने होंगे और न ही किसी बीमा या दस्तावेज की चिंता होगी। कोई भी व्यक्ति एक्सीडेंट का शिकार होता है, वह इस योजना के अंतर्गत आएगा। हादसा किसी भी राज्य या शहर में हुआ हो, पूरे भारत में यह योजना लागू होगी। इलाज सिर्फ डिजाइनेटेड हॉस्पिटल यानी सरकार द्वारा चुने गए अस्पतालों में ही होगा। अगर आप किसी अन्य अस्पताल में जाते हैं, तो वहां सिर्फ शुरुआती इलाज मिलेगा, जब तक कि आपको किसी डिजाइनेटेड अस्पताल में शिफ्ट नहीं किया जाता है।

योजना को नेशनल हेल्थ अथॉरिटी लागू कर रही है। राज्यों में यह काम स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल और स्टेट हेल्थ एजेंसीज देख रही हैं। पूरे सिस्टम की निगरानी के लिए 11 सदस्यीय कमेटी बनाई गई है, जिसकी अध्यक्षता सड़क सचिव करेंगे। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि 2023 में भारत में 4.80 लाख सड़क हादसे हुए, जिनमें 1.72 लाख लोगों की जान गई। इनमें से कई मौतें समय पर इलाज न मिलने के कारण हुईं। सरकार इस योजना के जरिए यह तय करना चाहती है कि कोई भी घायल इलाज से वंचित न रह जाए। समय पर इलाज मिलने से हादसों में मौतें कम होंगी। गरीब या आम आदमी को बिल की चिंता किए बिना इलाज मिलेगा। अस्पतालों में इलाज की प्रक्रिया आसान और तेज होगी।

आज मालेगांव ब्लास्ट 2008 केस का फैसला, साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और अन्य आरोपियों की किस्मत का होगा फैसला

मुंबई (एजेंसी)। 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में 17 साल बाद आज गुरुवार को फैसला सुनाया जाएगा। मालेगांव में एक धार्मिक स्थल के बाहर हुए विस्फोट में छह लोगों की जान चली गई थी और 101 लोग घायल हुए थे। इस घटना के बाद पहली बार हिंदू आतंकवाद फैलाने के आरोप लगे थे। 19 अप्रैल को मुंबई सत्र न्यायालय में विशेष एनआईए अदालत के न्यायाधीश एलके लाहोटी ने मामले की सुनवाई पूरी कर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। हाई-प्रोफाइल आरोपियों, बदली जांच एजेंसियों, बदले हुए जजों और प्रमुख गवाहों के दलबदल समेत इन तमाम घटनाक्रमों के कारण यह मामला पूरे देश में सुर्खियों में रहा है। आपको बता दें कि मालेगांव विस्फोट मामले में पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, सेवानिवृत्त मेजर रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी उर्फ ??स्वामी अमृतानंद, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी पर हत्या, विस्फोटक अधिनियम, शस्त्र अधिनियम, आतंकवाद निरोधक अधिनियम और यूएपीए से संबंधित आईपीसी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जबकि, आरोपी श्याम साहू, प्रवीण टकलकी, रामजी कालसंग्रा और संदीप डांगे फरार थे।

एटीएस से एनआईए तक जांच

मालेगांव विस्फोट मामले की प्रारंभिक जांच करने वाले आतंकवाद निरोधक दस्ते ने 11 लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मकोका के तहत आरोप पत्र दाखिल किया था। ये सभी अभिनव भारत संगठन से जुड़े हैं और एटीएस ने आरोप लगाया था कि उन्होंने हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए भोसला मिलिट्री स्कूल में कुछ युवकों को हथियार और विस्फोटक का प्रशिक्षण दिया था। घटना की प्रारंभिक जांच तत्कालीन एटीएस प्रमुख हेमंत करकरे के नेतृत्व में की गई थी, जिनकी 26/11 मुंबई आतंकी हमले में मौत हो गई थी। इसमें एटीएस ने एलएमएल फ्रीडम मोटरसाइकिल की मालिक साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को गिरफ्तार किया था, जिस पर बम रखा गया था। हमले की साजिश रचने के लिए कई जगहों पर बैठकें की गई थीं। एटीएस ने बैठक में मौजूद सभी लोगों को हिरासत में लिया और 2010 में उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। फिर 2011 में मामला नवगठित एनआईए को सौंप दिया गया। एनआईए ने आगे की जांच की और 13 मई, 2016 को मामले में एक पूरक आरोपपत्र दायर किया। एनआईए ने कहा कि वह एटीएस द्वारा लगाए गए कुछ आरोपों से सहमत नहीं है और अदालत से इस मामले में मकोका के तहत दर्ज मामलों को रद्द करने का अनुरोध किया। इसने यह भी स्पष्ट किया कि साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, श्याम साहू, प्रवीण टकलकी और रामजी कालसंग्रा पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं थे। हालांकि, अदालत ने इसे खारिज कर दिया और आरोपियों के नाम हटाने से इनकार कर दिया, यह समझाते हुए कि एटीएस द्वारा एकत्र किए गए सबूतों से इनकार नहीं किया जा सकता। एनआईए के अनुरोध पर विशेष एनआईए अदालत ने 2017 में मामले से मकोका की धारा हटाने पर सहमति जताई थी। हालांकि, उसने स्पष्ट किया था कि साध्वी प्रज्ञा सिंह और छह अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला जारी रहेगा। उसके बाद दिसंबर 2018 में मुंबई सत्र न्यायालय में मामला शुरू हुआ। सरकार ने इस मामले में 100 से अधिक चश्मदीदों से पूछताछ की। इनमें से कुछ इसमें घायल हुए थे, जबकि कुछ ने अपने रिश्तेदारों को इसमें खो दिया था। इस मामले में कुल 323 गवाहों की जांच की गई। जिनमें से 34 को अदालत में अपनी गवाही बदलने के बाद फितूर घोषित किया गया था। यह मामला पिछले 17 वर्षों से लंबित है। इस फैसले से पहले मामले के कुल 30 गवाहों की मृत्यु हो चुकी है। कई फितूरों ने अदालत को बताया था कि एटीएस ने उनके बयान जबरन दर्ज किए थे. सितंबर 2023 में, अदालत ने दोनों पक्षों की

अंतिम दलीलें सुनना शुरू किया, तथा सभी गवाह साक्ष्य दर्ज किए गए। इस मामले में अविनाश रसाल और उनकी बेटी अनुश्री रसाल ने विशेष सरकारी वकील के तौर पर काम किया। सरकारी पक्ष का पूरा पक्ष प्रत्यक्षदर्शियों और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है। इसमें आरोपियों के कॉल डेटा रिकॉर्ड और उनकी आवाज़ के नमूने शामिल हैं। दूसरी ओर, आरोपियों की ओर से दलील दे रहे प्रशांत मग्गू और रंजीत सांगले ने दावा किया है कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है और एटीएस ने उन्हें गलत तरीके से इसमें फंसाया है। बहरहाल इस बहुचर्चित मामले में अब मुंबई सत्र न्यायालय के विशेष न्यायाधीश एल.के.लाहोटी के फैसले पर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं।

पहलगाम में मारे गए शुभम की पत्नी बोली- मेरे पति की हत्या का बदला पूरा

कानपुर (एजेंसी)। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया और पहलगाम में विधवा हुईं भारत की बेटियों को न्याय दिलाने का काम किया है। पहलगाम हमले में कानपुर के 31 वर्षीय व्यवसायी शुभम द्विवेदी ने भी अपनी जान गंवाई थी। उनकी पत्नी ऐशान्या द्विवेदी की शादी को अभी दो महीने भी पूरे नहीं हुए थे, उन्होंने उस भयावह दिन को याद करते हुए अपनी पीड़ा को शब्दों में बयां किया। एक नई उम्मीद और गर्व के साथ, ऐशान्या ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए दिल दहला देने वाले आतंकी हमले ने न केवल देश को झकझोर दिया, बल्कि कई परिवारों की जिंदगी को हमेशा के लिए बदल दिया। अब भारत ने इस हमले का बदला पाकिस्तान के अंदर घुसकर लिया है। ऐशान्या ने एक भावुक बयान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, मैं पीएम मोदी को मेरे पति की मौत का बदला लेने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। मेरे पूरे परिवार को उन पर भरोसा था, और जिस तरह उन्होंने (पाकिस्तान को) जवाब दिया, उन्होंने हमारा भरोसा जीवित रखा। यह मेरे पति को सच्ची श्रद्धांजलि है। जहां कहीं भी मेरे पति होंगे, वे आज शांति में होंगे। भारत सरकार ने पहलगाम हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसके तहत आतंकियों और उनके समर्थकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। इसके अलावा, पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए कौस्तुभ गणबोटे की पत्नी संगीता गणबोटे ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा, इन्होंने जो कार्रवाई की है वो एकदम सही किया है और ऑपरेशन का नाम सिंदूर देकर महिलाओं को सम्मान भी दिया है... पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए कौस्तुभ गणबोटे के बेटे कुणाल गणबोटे ने कहा, हमने जो प्रतिशोध लिया है ये एकदम सही है और ये होना ही चाहिए था।

रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना में अवैध विदेशी नागरिकों को हिरासत में लेने के आदेश दिए

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने पुलिस अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने और राज्य में अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तान और बांग्लादेश के नागरिकों को हिरासत में लेने का बुधवार को निर्देश दिया।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि रेड्डी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के मद्देनजर समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को आपातकालीन सेवाओं में लगे सभी विभागों के कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द करने और सभी जिला मुख्यालयों तथा संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी एवं सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्य सरकार ने बृहस्पतिवार को भारतीय सेना के समर्थन में एक रैली आयोजित करने का फैसला किया है, जिसमें मुख्यमंत्री और उनके कैबिनेट सहयोगी शामिल होंगे। रेड्डी ने अधिकारियों से

हैदराबाद में सभी वाणिज्य दूतावासों में सुरक्षा कड़ी करने और सभी आईटी कंपनियों में सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए भी कहा। पुलिस विभाग को 'हिस्ट्रीशीटर' और पुराने अपराधियों की गतिविधियों पर भी नजर रखने को कहा गया है।

विज्ञप्ति में कहा गया है, ''मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को पाकिस्तान और बांग्लादेश के अवैध रूप से रह रहे नागरिकों को हिरासत में लेने का आदेश दिया है। कमान और नियंत्रण केंद्र में संचार प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए। शांति और सुरक्षा को भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।''

रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि पूरे देश को भारतीय सेना का समर्थन करने का एक मजबूत संदेश दिया जाना चाहिए और राजनीतिक दलों को मुश्किल समय में संयम बनाए रखना चाहिए। संबंधित अधिकारियों को आपातकालीन जरूरतों के लिए 'ब्लड बैंक' में रक्त और आपातकालीन दवा का स्टॉक करने के लिए कहा गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मंत्रियों और अधिकारियों को सभी विदेश यात्राएं रद्द कर देनी चाहिए और उपलब्ध रहना चाहिए।

साथ ही कहा गया है कि फर्जी खबरें फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लोगों में चिंता और घबराहट पैदा करने वाली गलत सूचनाओं को रोकने के लिए एक विशेष सेल भी स्थापित किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट से उद्धव गुट को झटका, चुनाव निशान से जुड़ी याचिका पर जल्द सुनवाई से इंकार

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना के नाम और चुनाव निशान तीर कमान को लेकर पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे गुट सुप्रीम कोर्ट में कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। चुनाव आयोग ने शिवसेना नाम और निशान की लड़ाई में फैसला शिंदे गुट के पक्ष में दिया था। आयोग के इस फैसले को उद्धव गुट ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उद्धव गुट ने सुप्रीम कोर्ट से याचिका पर जल्द सुनवाई की गुहार लगाई थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव गुट को बड़ा झटका देकर जल्द सुनवाई से इंकार कर दिया है।

शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख ठाकरे की अगुवाई वाले गुट ने भारतीय निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर जल्द सुनवाई की गुहार लगाई थी। जस्टिस सूर्यकांत और

जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ के सामने ठाकरे के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि इस पीठ ने महाराष्ट्र में 2023 से पहले की आरक्षण नीति के मुताबिक स्थानीय निकायों के चुनाव करने का आदेश दिया है।

सिब्बल ने निकाय चुनाव को लेकर आदेश का उल्लेख कर कहा कि इस मामले पर भी तत्काल सुनवाई होनी चाहिए। उन्होंने इसके पीछे दलील दी कि शिंदे गुट को पार्टी का चुनाव चिह्न मिला हुआ है। निर्वाचन आयोग के आदेश को हम लोगों ने चुनौती दे रखी है। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कपिल सिब्बल से पूछा कि तुरंत सुनवाई की क्या जरूरत है? यह स्थानीय निकाय चुनाव हैं।

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हमें बताया गया था कि साल 2017 के बाद से ही नगरपालिका चुनाव नहीं हुए थे। आपके पास भी चुनाव चिह्न है, आप चुनाव में भाग लीजिए। इस पर सिब्बल ने कहा कि शिवसेना का मूल चुनाव निशान तीर कमान, लेकिन यह अब शिंदे गुट के पास है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि चुनाव सुचारु रूप से होने दें। वैसे भी स्थानीय निकायों में ज्यादातर मतदाताओं के लिए चिन्ह का बहुत महत्व नहीं होता है।

ऑपरेशन सिंदूर पर चीन ने जताया खेद, कहा- शांति और संयम जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के पराक्रमी सैनिकों ने पाकिस्तान में सैकड़ों किलोमीटर अंदर घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों पर ऐसी तबाही मचाई कि वे फिर पहलगाम जैसे हमले को अंजाम देने से पहले लाख बार सोचेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बयान जारी कर कहा, हम भारत की आज तड़के की सैन्य कार्रवाई पर खेद जताते हैं और वर्तमान हालात पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं। हम भारत और पाकिस्तान से आग्रह करते हैं कि वे शांति और स्थिरता को सर्वोपरि रखें, शांत रहें और अधिकतम संयम बरतें।

चीन की यह प्रतिक्रिया उस समय आई है जब भारत ने 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान की सीमा के भीतर 100 किलोमीटर तक घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को राफेल विमानों और मिसाइलों से निशाना बनाया। पाकिस्तान भारत की इस एयर स्ट्राइक से कांप गया है। उधर, चीन लंबे समय से भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता का इच्छुक रहा है, लेकिन भारत इस प्रकार के मामलों को द्विपक्षीय विषय मानते हुए तीसरे पक्ष की भूमिका को खारिज करता रहा है।

भारत के हमले के कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तान की सेना ने दावा किया कि भारत के 6 मिसाइल हमलों में 8 लोगों की मौत और 35 घायल हुए हैं, जबकि 2 लोग लापता हैं। यह जानकारी चीन की सरकारी न्यूज़ एजेंसी ने पाकिस्तानी सेना के हवाले से दी है। उधर, भारत ने पाकिस्तान आम नागरिकों को निशाना बनाने के तमाम दावों को झूठा करार दिया है। भारत ने स्पष्ट किया है कि निशाना सिर्फ आतंवादी थे और हमलों का केंद्र आतंकी ठिकाने थे। ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने मुरिदके में लश्कर-ए-तैयबा के ट्रेनिंग कैंप मरकज-ए-तैयबा और बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के गढ़ जश-शुभानअल्लाह को भी प्रमुखता से निशाना बनाया। पाकिस्तान ने यह भी दावा किया कि उसने भारतीय वायुसेना के तीन फाइटर जेट मार गिराए हैं। हालांकि भारत की ओर से इस दावे की पुष्टि नहीं की गई है। भारतीय रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने इसे पाकिस्तान की घबराहट और प्रोपेगेंडा करार दिया है।

भारतीय सेना ने आधी रात की एयर स्ट्राइक में जैश-ए-मोहम्मद और लश्क-ए-तैयबा के 9 ठिकानों को निशाना बनाया और कम से कम 90 आतंकियों को मार गिराया। भारत की इस एयर स्ट्राइक ने पाकिस्तान को चारों खाने चित्त कर दिया है। पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ठिकानों पर की गई एयर स्ट्राइक के बाद चीन का रिएक्शन आया है। उसने भारत के इस ऐक्शन पर चिंता जताते हुए भारत और पाकिस्तान दोनों से संयम बरतने और शांति बनाए रखने की अपील की है।

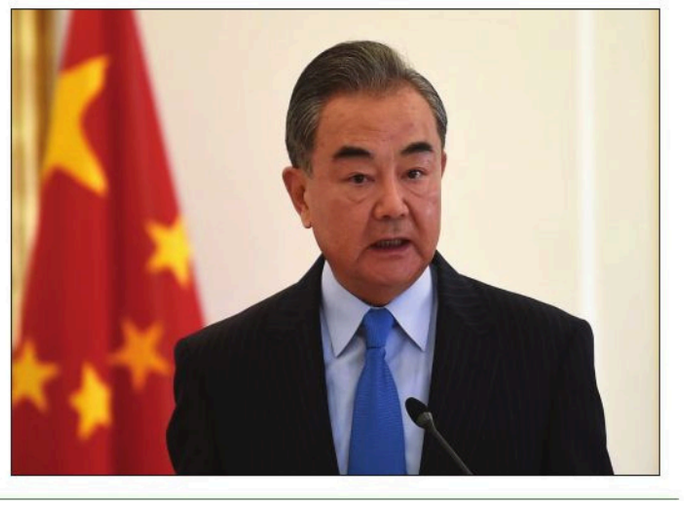

भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर कर 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई की

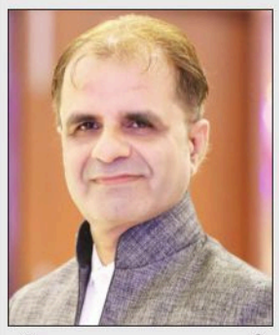

किशन सनमुखदास भावनानीं

अगर हम उपरोक्त पर्यावरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ऑपरेशन सिंदूर- पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया-सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पूर्व कार्रवाई। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर कर 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई की।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया-घर में घुसकर पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर से करारा जवाब दिया।

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ की निगाहें भारत पर टिकी हुई थी कि पहलगाम में मारे गए 26 सैलानियों का जवाब दोषियों उनके आकाओं योजनाकारो सहयोगियों को किस तरह देगा, क्योंकि भारत की रणनीतिक तैयारी घटना के दिन से ही शुरू हो गई थी। रणनीतिक रूप से मीटिंगों का दौरा,अंतर्राष्ट्रीय देशों से सलाह मशविरा फिर 7 मई 2025 को पूरे भारत के 244 जिलों में सिविल डिफेंस मॉकड्रिल को आयोजित किया गया था, परंतु उसके कुछ घंटे के पूर्व ही रात्रि करीब 1.44 ए.एम पर पाकिस्तान पर भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत सफल टारगेटेड सर्जिकल स्ट्राइक कर 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया, यह हमला बहावलपुर कोटली और मुजफ्फराबाद में किया गया है, जिसमें सभी आतंकी कैंप तबाह हो गए हैं। कार्रवाई को सफलता से अंजाम दिया गया, इसके पश्चात रात्रि में ही एक्सः पोस्ट पर सभी संदेश आना शुरू हो गए मैंने सुबह 6 बजे तक लगातार मीडिया चैनलों पर नजर गाड़ाए रखा था तो सुबह 2.46 बजे राजनाथ सिंह का एक्सः पर पोस्ट आया भारत माता की जय,वहीं कांग्रेस नेता प्रियंका चतुर्वेदी का का 3 बजे के बाद पोस्ट आया माथे का सिंदूर मिटने वालों को उसका जवाब देकर रहेंगे, जय जवान! जयहिंदुस्तान! जय हिंद! इसी प्रकार तेजस्वी यादव, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,आदित्य ठाकरे इत्यादि के सुबह 4 बजे के आसपास बयान आना शुरू हो गए। मेरा मानना है कि इस सर्जिकल स्ट्राइक का नाम ऑपरेशन सिंदूर इसलिए रखा गया होगा, क्योंकि पहलगाम में अनेकों भारतीय बेटियां अपना हनीमून मनाने गई थी जिनकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे, उनका सिंदूर उजड़ गया था उनसे जात धर्म पूछकर उनके पतियों को मार गिराया गया था, इसलिए इस ऑपरेशन के जरिए उन बेटियों को इंसाफ देने की थोड़ी सी कोशिश की गई है यानी यूं कहें कि यह तो केवल टेलर है अब खेला तो शुरू होगा। चूँकि भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर के तहत 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई कर उन्हें ध्वस्त कर दिया है, जिससे भारत नें आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर से घर में घुसकर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोगसे इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,ऑपरेशन सिंदूर- भारत ने पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया, सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल के कुछ घंटे पूर्व की कार्रवाई हुई।

साथियों बात अगर हम दिनांक 7 मई 2025 को अर्ली मॉर्निंग सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पहले पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल एयर स्ट्राइक की करें तो, भारत ने पाकिस्तान पर की एयर स्ट्राइक,9 आतंकी ठिकानों पर किया हमला।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को एक नया आयाम देते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लॉन्च किया है। इस ऑपरेशन में भारतीय वायु सेना ने

पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर टारगेटेड स्ट्राइक की है। यह कार्रवाई 6 मई 2025 की देर रात डेढ़ बजे के आसपास अंजाम दी गई। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को एक नया आयाम देते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लॉन्च किया है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, भारतीय वायु सेना ने अत्यन्त सटीक और सावधानीपूर्वक इन ठिकानों को निशाना बनाया है।पीआईबी ने जानकारी दी है कि ऑपरेशन सिंदूर की प्लानिंग को बहुत ही रणनीतिक रूप से तैयार किया गया ताकि आतंकवादियों की गतिविधियों को करारा जवाब दिया जा सके, इस ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान की सैन्य सुविधाओं को नहीं छुआ गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि कार्रवाई का असल मकसद आतंक को खत्म करना है,न कि पड़ोसी मुल्क के साथ संघर्ष को बढ़ाना, वायु सेना की तरफ से ये स्ट्राइक भारत के कमोबेश 300 लोकेशन पर होने वाले मॉक ड्रिल से कुछ घंटे पहले किया गया है। पीआईबी के मुताबिक, ये कदम पहलगाम में हुए बर्बर आतंक वादी हमले के बाद उठाए गए हैं, जिसमें 26 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी। भारत अपनी इस प्रतिबद्धता पर खरा उतरा है कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। पीआईबी ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आगे की जानकारी जल्द ही दी जाएगी। भारतीय सेना ने जम्मू और कश्मीर स्थित पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला ले लिया है सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर स्थित मुजफ्फराबाद में भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक की।

साथियों बात अगर हम रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान की करें तो,भारतीय सशस्त्र बलोंने पाकिस्तान व पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जहाँ से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई. कुल मिलाकर, नौ (9) स्थलों को निशाना बनाया गया है.बयान में कहा गया- हमारी कार्रवाई केंद्रित, सधी और उकसाने से बचने वाली रही,किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया गया है भारत ने ठिकानों के चयन और उन्हें तबाह करने तरीके में काफी संयम दिखाया है,बयान के अनुसार ये कदम पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर उठाए गए हैं जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी, मंत्रालय ने कहा कि हम इस प्रतिबद्धता पर खरे उतर रहे हैं कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा, बाद में ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

साथियों बात अगर हम सर्जिकल स्ट्राइक का नाम ऑपरेशन सिंदूर रखने से संभावित कारणों की करें तो, इसके पीछे सरकार का मकसद क्या रहा होगा,डिफेंस एक्सपर्ट की मानें तो पहलगाम में आर्तकियों ने कई ऐसे लोगों को मारा जिनकी चंद दिनों पहले शादी हुई थी। भारत ने इन महिलाओं की आंखों में आंसू देखे थे, तभी कसम खाई थी कि एक-एक आंसू का हिसाब लिया जाएगा, इनमें गुरुग्राम की हिमांशी नरवाल भी थीं, जिनकी 16 अप्रैल को शादी हुई थी, वह पति लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के साथ हनीमून मनाने गई थीं, लेकिन आर्तकियों ने विनय को मार डाला। इसी तरह जयपुर की प्रियंका शर्मा को आर्तकियों को दर्द दिया, प्रियंका अपने पति रोहित के साथ पहलगाम में हनीमून मनाने गई थीं, हमले के दौरान रोहित को गोली लगी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई, प्रियंका घायल हुईं और उन्हें श्रीनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। शिमला की रहने वाली अंजलि ठाकुर अपने पति विवेक ठाकुर के साथ गई थीं, इनकी भी इसी साल 12 अप्रैल को शादी हुई थी, विवेक और अंजलि पहलगाम में ट्रेकिंग के लिए गए थे, लेकिन आर्तकियों ने उन्हें भी नहीं बख्शा, अंजलि किसी तरह बच गईं, अंजलि ने बाद में कहा,हमारी जिंदगी शुरू होने से पहले ही खत्म हो गई. उनकी बातों ने सबको हिला दिया था। पुणे की रहने वाली स्नेहा पाटिल अपने पति अमित पाटिल के साथ हनीमून पर गई थीं, 10 अप्रैल को ही इनकी शादी हुई थी, अमित और स्नेहा पहलगाम में छुट्टियां मना रहे थे, तभी आर्तकियों ने उन्हें गोली मार दी,स्नेहा ने अस्पताल में कहा, आर्तकियों ने हमारा सब कुछ छीन लिया। सिंदूर मिटाने पर 'ऑपरेशन सिंदूर' पहलगाम के आर्तकियों ने जब बैसरन में हमला किया तो वहां उन्होंने किसी भी महिला की जान नहीं ली, दरअसल, इस ऑपरेशन के नाम के पीछे भी एक कारण छिपा है।जब आर्तकी हमारी महिलाओं का सिंदूर छीनने की साजिश करें, तो जवाब उसी प्रतीक से दिया जाए, यह संदेश स्पष्ट है, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए न सिर्फ आर्तकियों को सबक सिखाया है, बल्कि यह भी जता दिया है कि अब किसी भी महिला के सिंदूर पर हाथ डालना सीधा युद्ध के बराबर माना जाएग।

साथियों बात अगर हम ऑपरेशन सिंदूर बेहद सीमित सटीक, रणनीतिक व कानून के दायरे में होने की करें तो, यह कार्रवाई बेहद सीमित, रणनीतिक रही, किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया है। भारत ने आतंकियों के ठिकाने पर मिसाइले दाग कर यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह आतंक के खिलाफ सख्त कदम उठाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है, इससे यह भी साफ हो गया कि भारत अब केवल चेतावनी नहीं देगा, बल्कि जवाबी कार्रवाई भी करेगा। भारत की यह कार्रवाई पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में रही, कोई असैन्य ठिकाना या आम नागरिक इस कार्रवाई की चपेट में नहीं आया, भारतीय विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल आतंकवाद के खिलाफ था, न कि पाकिस्तान की संप्रभुता पर हमला, हालांकि, इससे पाकिस्तान में घबराहट साफ देखी जा सकती है, कई आतंकी ठिकानों को खाली करा लिया गया है और सीमा पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तान को यह भी दिखा दिया है कि अब भारत पुरानी नीति पर नहीं चलेगा, 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद यह तीसरी बड़ी कार्रवाई है, जो सीधे पाकिस्तान की धरती पर जाकर की गई है। इसका एक बड़ा संदेश यह भी है कि भारत अब बात नहीं, केवल जवाबी कार्रवाई में विश्वास रखता है पाक को अब तय करना है, वह आतंक की पनाहगाह बना रहेगा या जिम्मेदार पड़ोसी की तरह व्यवहार करेगा।

अतः अगर हम उपरोक्त पर्यावरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ऑपरेशन सिंदूर- पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया-सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पूर्व कार्रवाई। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर कर 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई की।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया-घर में घुसकर पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर से करारा जवाब दिया।

संपादकीय

मॉक ड्रिल का संदेश

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश के कई राज्यों को कल 7 मई को व्यापक नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले, जिसमें 26 नागरिक मारे गए, के जवाब में कड़ा रुख अपनाए हुए है। हालांकि घटना के बाद से ही केंद्र सरकार ने एक के बाद एक कूटनीतिक और आर्थिक फैसले लेकर इस हमले को शह देने वाले पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। लेकिन देश के नागरिक इस हमले से इस कदर गुस्से में हैं कि उसी तरह मुंह तोड़ जवाब देना चाहते हैं जिस तरह पुलवामा और उरी में आतंकवादी घटनाओं के बाद दिया गया था। केंद्र में सत्तारूढ़ मोदी सरकार पर भारी दबाव है कि माकूल जवाब दे। जन भावना इस कदर आक्रोशित है कि कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेनाओं के पाले में गेंद डालते हुए उन्हें जवाबी कार्रवाई करने की पूरी छूट दे दी थी। अब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कई राज्यों को मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। मॉक ड्रिल आपातकालीन संकट या संकट की स्थिति में अपनी तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमता को परखने का प्रभावी तरीका है। इससे सुरक्षा योजनाओं को परखने, उनकी कमी पहचानने और उन्हें सुधारने में मदद मिलती है। मॉक ड्रिल के जरिए दुनिया को साफ संदेश जाएगा कि पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत पूरी तैयारी कर रहा है, जो सीमित या पूर्ण युद्ध के रूप में हो सकती है यानी भारत के कूटनीतिक कदम अब युद्ध की रणनीति की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। मॉक ड्रिल के दौरान एयर रेड वार्निंग सायरनों का संचालन होगा। नागरिकों को संभावित हमलों की स्थिति में खुद को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक सुरक्षा तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। क्रैश ब्लैकआउट की व्यवस्था की जाएगी। महत्त्वपूर्ण संयंत्रों और प्रतिष्ठानों की त्वरित कैमुफ्लाजिंग की जाएगी जो राष्ट्रीय संपत्तियों को सुरक्षा के लिए एक मान युद्धकालीन उपाय है। निकासी योजनाओं का अद्यतन और पूर्वाभ्यास होगा जिसके तहत किसी भी आपात स्थिति में नागरिकों को तेजी से सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का अभ्यास किया जाएगा।

चिंतन-मनन

व्यापारी के बेटे

एक व्यापारी के दो पुत्र थे। मरने से पहले उसने अपनी संपत्ति दोनों बेटों में बराबर-बराबर बांट दी। एक पुत्र ने अपने व्यापार को काफी बढ़ाया। वह अत्यंत संपन्न होकर समाज के प्रतिष्ठत लोगों में गिना जाने लगा। जबकि दूसरे को व्यापार में घाटा हो गया और उसके परिवार को दो जून की रोटी जुटाने में भी अत्यंत तकलीफें उठानी पड़ीं। अपने भाई की तरक्की और अपनी दुर्दशा देखकर दूसरा भाई एक संत के आश्रम में पहुंचा और बोला, महाराज, मुझे लगता है कि ईश्वर केवल कल्पना है और यदि उसका अस्तित्व कहीं है भी तो वह पक्षपाती है। क्या वह भी पक्षपात करता है? मैं और मेरे भाई दोनों एक ही पिता की संतान हैं। पिता ने दोनों को बराबर हिस्सा दिया। लेकिन वह लगातार तरक्की कर रहा है और मैं रसातल की ओर जा रहा हूं। भला ऐसा क्यों?

उसकी बात सुनकर संत उसे अपने साथ एक बगीचे में ले गए और बोले, देखो, वहां एक कोने में गन्ना बोया हुआ है, दूसरे कोने में चिरायता है, एक ओर चमेली के फूल अपनी सुगंध बिखेर रहे हैं तो दूसरी ओर गुलाब के पौधों पर फूलों के साथ कांटे भी नजर आ रहे हैं । इनकी इस भिन्नता के लिए इन्हें पैदा करने वाली जमीन दोषी या पक्षपाती नहीं है। जैसा बीज बोया गया है वैसा ही फल मिला है। सुख-दुख और उन्नति-अवनति के लिए ईश्वर जिम्मेदार नहीं बल्कि स्वयं मनुष्य जिम्मेदार है। उसके कर्म और संस्कार जिम्मेदार हैं। तुम्हारे भाई ने मेहनत और योग्यता से अपने काम को संभाला तो उसकी उन्नति होती गई, इसके विपरीत तुमने आलस्य और भोग-विलास में अपना समय व्यतीत किया तो तुम्हारा धन धीरे-धीरे खत्म होता गया। तुमने मेहनत की ही कब थी जो ईश्वर को दोष दे रहे हो। जैसा कर्म तुमने किया है वैसा ही फल पाया है। ह सुनकर दूसरे पुत्र की आंखें खुल गईं। वह अपनी गलती सुधारने का निश्चय कर वहां से चला आया।

आपदा के समय भरोसेमंद दोस्त 'रेडक्रॉस'

योगेश कुमार गोयल

रेडक्रॉस की स्थापना महा- मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है। 8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई। डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतर्राष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है। मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की। भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयं सेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है। रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है।

भारत-चीन संबंध : कैलाश से कूटनीति तक

नृपेंद्र अभिषेक नृप

भारत और चीन, दो प्राचीन सभ्यताओं और समकालीन वैश्विक शक्तियों के बीच संबंधों का इतिहास जटिल, उलझा हुआ और समय-समय पर संघर्षों से भरा रहा है। इन संबंधों में हालिया हलचल उस समय देखने को मिली जब भारत के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि 750 भारतीय तीर्थयात्री इस वर्ष जून-अगस्त के बीच दो समूहों में कैलाश मानसरोवर यात्रा कर सकेंगे। कैलाश मानसरोवर चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में स्थित है, और इसका धार्मिक, सांस्कृतिक तथा कूटनीतिक महत्त्व अत्यधिक है। पांच वर्षों के अंतराल के बाद इस यात्रा का पुनः आरंभ होना केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में एक सूक्ष्म किंतु महत्त्वपूर्ण संकेत भी है।

पिछले पांच वर्षों में कैलाश मानसरोवर यात्रा के निलंबन के पीछे दो मुख्य कारण रहे। पहला, वैश्विक महामारी कोविड-19, जिसने न केवल व्यक्तियों और समुदायों को अलग-थलग कर दिया, बल्कि देशों के बीच संपर्क और सहयोग के रास्ते भी बाधित कर दिए। दूसरा, और अधिक जटिल कारण था 2020 में लद्दाख में भारत और चीन के बीच हुआ सैन्य गतिरोध। गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़पों ने दोनों देशों के बीच गहरे अविश्वास और तनाव की भावना को जन्म दिया। ऐसे परिदृश्य में कैलाश मानसरोवर यात्रा का पुनः प्रारंभ होना सकारात्मक कूटनीतिक संकेत है, जो इस बात को रेखांकित करता है कि दोनों देशों में संवाद और संपर्क की छोटी-छोटी खिड़कियां अब भी खुली हैं। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब दुनिया पूर्वी यूरोप में युद्ध, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और वैश्विक व्यापार पर अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों के कारण उत्पन्न हो रही अनिश्चितताओं से जूझ रही है। इन परिस्थितियों में भारत और चीन जैसे दो बड़े, परमाणु संपन्न देशों के बीच किसी भी प्रकार की सद्भावना का संकेत न केवल क्षेत्रीय शांति के लिए, बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। 2.8 अरब से अधिक जनसंख्या वाले इन दोनों देशों के बीच किसी भी तरह का सहयोग वैश्विक शक्ति संतुलन पर व्यापक प्रभाव डाल सकता है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भी भारत-चीन संबंधों में विशेष स्थान रखती है। 1962 के युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच संबंध बेहद तनावपूर्ण रहे। इस युद्ध ने न केवल सीमाओं को विवादित कर दिया, बल्कि मनोवैज्ञानिक रूप से भी दोनों देशों को एक-दूसरे से दूर कर दिया। ऐसी स्थिति में, 1979 में तत्कालीन भारतीय विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चीन यात्रा ऐतिहासिक मानी गई। वाजपेयी ने अपनी यात्रा के दौरान बीजिंग में भारतीयों के लिए कैलाश और मानसरोवर के धार्मिक महत्त्व को रेखांकित किया। उनके प्रयासों से 1981 में भारत और चीन के बीच आधिकारिक रूप से इस यात्रा का मार्ग प्रशस्त हुआ। चीन के तत्कालीन उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री हुआंग हुआ ने 1981 में नई दिल्ली यात्रा के दौरान आश्वासन दिया कि चीन 'जिसे भारतीय कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील कहते हैं', वहां की यात्रा के लिए व्यवस्था करेगा। इस वक्तव्य ने दो देशों के बीच संवाद और सहयोग का एक नया द्वार खोला था। आज, जब यात्रा फिर से शुरू हो रही है, तो यह अतीत की स्मृतियों को ताजा करती है, और वर्तमान में संवाद के अवसरों को बल देती है।

रणनीतिक दृष्टि से भारत और चीन आज विभिन्न ध्रुवों पर खड़े दिखाई देते हैं। भारत जहां अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्वाड' समूह का सक्रिय सदस्य है, वहीं चीन अपनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के माध्यम से वैश्विक प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। परंतु कूटनीति की खूबी ही यही है कि वह कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी संवाद के सेतु बनाने का प्रयास करती है। कैलाश मानसरोवर यात्रा का पुनः प्रारंभ इसी भावना का प्रतिबिंब है। हालांकि भविष्य की राह सरल नहीं है।

भारत और चीन के बीच स्थिर संबंध स्थापित करने के लिए प्रतीकात्मक पहल पर्याप्त नहीं होंगी। पारस्परिक सम्मान, सीमा विवादों के शांतिपूर्ण समाधान, आर्थिक प्रतिस्पर्धा के नियमों के प्रति प्रतिबद्धता और वैश्विक मंचों पर संतुलित सहयोग की आवश्यकता होगी। दोनों देशों को समझना होगा कि एशिया और विश्व की स्थिरता में उनकी साझी जिम्मेदारी है। सहयोग का

रास्ता दोनों के हित में है। भारत के लिए आवश्यक है कि अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के मूलभूत सिद्धांतों से कोई समझौता किए बिना संवाद के द्वार खुले रखे। चीन के लिए भी समझना महत्त्वपूर्ण है कि भारत को दबाने की रणनीति कारगर नहीं होगी, बल्कि सम्मानजनक सहयोग ही दीर्घकालिक शांति का मार्ग प्रशस्त करेगा। कुल मिलाकर, कैलाश मानसरोवर यात्रा का फिर से प्रारंभ होना शुभ संकेत अवश्य है, लेकिन इसे संबंधों के समग्र सुधार का प्रतीक मान लेना जल्दबाजी होगी। यह यात्रा लंबी, कठिन और ऊबड़-खाबड़ राह की शुरू आत मात्र है। जिस प्रकार कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक पहुंचने के लिए को अनेक कठिनाइयों और प्रतिकूलताओं का सामना करना पड़ता है, उसी प्रकार इस यात्रा के हर कदम पर सतर्कता, सहनशीलता और विवेक आवश्यक होगा।

अप्रैल में फैमिली के साथ इन शानदार जगहों को बनाएं डेस्टिनेशन पॉइंट, हर पल रहेगा यादगार

अप्रैल साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी में फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर पहुंच सकते हैं।

हर कोई परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताना चाहता है। इसलिए जब भी लोगों को समय मिलता है, तो वह अपने परिवार के साथ पसंदीदा जगहों पर पहुंच जाते हैं। अप्रैल के महीने में कई लोग अपने परिवार के साथ घूमने-फिरने के लिए निकलते हैं। अप्रैल साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ती है। गर्मी के कारण लोग फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर मौज-मस्ती का प्लान बनाते हैं। लेकिन लोग सही जगह का चुनाव नहीं कर पाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी में फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर पहुंच सकते हैं।

मैक्लॉडगंज

अगर आप अप्रैल के महीने में हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में फैमिली संग घूमने का प्लान कर रहे हैं, तो मैक्लॉडगंज आपके लिए परफेक्ट जगह है। यह हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत और फेमस हिल स्टेशन है। जोकि धर्मशाला से करीब 5 किमी दूर है।

अप्रैल में मैक्लॉडगंज का मौसम सुहावना रहता है। इस दौरान आप अपने परिवार के साथ यहां पर यादगार पल बिता सकते हैं। आप मैक्लॉडगंज में फैमिली के साथ सेंट जॉन चर्च, नड्डी व्यू पॉइंट, भागसूनाग वाटरफॉल और डल झील जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

बेताब वैली

जब भी जम्मू-कश्मीर में घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले गुलमर्ग, श्रीनगर या फिर सोनमर्ग का नाम लेते हैं। लेकिन आप इन सभी से हसीन बेताब वैली को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह वैली जम्मू-कश्मीर का वह छिपा हुआ खजाना है, जिसकी खूबसूरती देखकर आप खुशी से झूम उठेंगे।

बेताब वैली में घास के मैदान, शांत और शुद्ध वातावरण और झील झरने इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। वहीं बॉलीवुड की कई फिल्मों की यहां पर शूटिंग हो चुकी है। अप्रैल के महीने में यहां का तापमान एकदम सुहावना रहता है।

झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत उदाहरण है दशम जलप्रपात

दशम जलप्रपात लगभग 44 मीटर (144 फीट) की ऊँचाई से गिरता है, जिससे यह झारखंड के प्रमुख जलप्रपातों में शामिल है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और झरने की गूंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 34 किलोमीटर दूर, तैमारा गाँव के समीप स्थित दशम जलप्रपात (Dassam Falls), राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह जलप्रपात कांची नदी पर स्थित है, जो सुवर्णरेखा नदी की एक सहायक नदी है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और झरने की गूंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

जलप्रपात की विशेषताएँ

ऊँचाई: दशम जलप्रपात लगभग 44 मीटर (144 फीट) की ऊँचाई से गिरता है, जिससे यह झारखंड के प्रमुख जलप्रपातों में शामिल है।

नाम की उत्पत्ति : स्थानीय मुंडारी भाषा में फ्रदाशोंगफ्र का अर्थ होता है पानी का गिरना। समय के साथ यह शब्द दशम में परिवर्तित हो गया।

प्राकृतिक संरचना: यह जलप्रपात एक निक पॉइंट का उदाहरण है, जहाँ नदी की ढलान में अचानक परिवर्तन होता है, जिससे जलप्रपात का निर्माण होता है।

दृश्य सौंदर्य : जलप्रपात के चारों ओर घने जंगल और चट्टानी क्षेत्र हैं, जो इसे पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं।

कैसे पहुँचें

सड़क मार्ग : रांची से दशम जलप्रपात तक पहुँचने के लिए NH-33 (अब NH-18) का उपयोग किया जा सकता है। अंतिम 10 किलोमीटर की यात्रा गाँव की सड़कों से होती है, जो संकरी लेकिन ड्राइविंग के लिए उपयुक्त हैं।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन रांची है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से जलप्रपात तक पहुँचा जा सकता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मानसून (जुलाई से सितंबर)ः इस अवधि में जलप्रपात अपने पूर्ण प्रवाह में होता है, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

शीतकाल (अक्टूबर से फरवरी) : इस समय मौसम सुखद होता है और भीड़ भी कम होती है, जिससे यात्रा अधिक आनंददायक होती है।

सुरक्षा सुझाव

जलप्रपात के नीचे तैराकी या स्नान से बचें, क्योंकि यहाँ की जलधारा तेज होती है और कई दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं।

फिसलन से बचने के लिए उपयुक्त जूते पहनें और बच्चों पर विशेष ध्यान दें।

अपने साथ पानी और हल्का नाश्ता रखें, क्योंकि आसपास सीमित सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

अतिरिक्त जानकारी

प्रवेश शुल्क : नि :शुल्क

पार्किंग: पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है, जहाँ 30 का शुल्क लिया जाता है।

सीढ़ियाँ: जलप्रपात के तल तक पहुँचने के लिए लगभग 300 सीढ़ियाँ उतरनी पड़ती हैं, जो अच्छी तरह से निर्मित हैं।

दशम जलप्रपात, झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत उदाहरण है। यह स्थान न केवल प्रकृति प्रेमियों के लिए, बल्कि फोटोग्राफरों और शांत वातावरण की तलाश करने वालों के लिए भी एक आदर्श गंतव्य है। यदि आप झारखंड की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो दशम जलप्रपात को अपनी सूची में अवश्य शामिल करें।

केरल के मुनरो आइलैंड की खूबसूरती देखकर झूम उठेंगे आप, प्रकृति प्रेमियों के लिए है जन्नत

जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

दक्षिण भारत में जब किसी खूबसूरत राज्य में घूमने की बात होती है, तो बहुत सारे लोग केरल का नाम सबसे पहले लेते हैं। केरल दक्षिण भारत का पर्यटन हब माना जाता है। केरल की खूबसूरती हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। यहां पर स्थित लैगून और बैकवॉटर देखने के लिए लोग केरल पहुंचते हैं। जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मुनरो द्वीप की खूबसूरती, खासियत और यहां पर मौजूद कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनरो द्वीप

केरल के कोल्लम जिले में स्थित मुनरो द्वीप एक अद्भुत और अनोखी जगह है। यह कोल्लम शहर के कुछ किमी की दूरी है। इस द्वीप को कई लोग मुंद्रोथुरुथु के नाम से भी जानते हैं।

केरल में अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर यह द्वीप स्थित है। मुनरो द्वीप राजधानी तिरुवनंतपुरम से करीब 90 किमी की दूरी पर है। यह द्वीप एलेप्पी से करीब 87 किमी दूर और कोट्टयम से महज 84 किमी दूर है।

मुनरो द्वीप का इतिहास

मुनरो द्वीप का इतिहास काफी रोचक है। इस आइलैंड के बारे में बताया जाता है कि इसका नाम पूर्व ब्रिटिश निवासी कर्नल मुनरो के नाम पर रखा गया है। बताया जाता है कि जब कर्नल मुनरो ने देखा कि सिंचाई के लिए आसपास के इलाकों में बहुत समस्या हो रही है, तब इस द्वीप का निर्माण करवाया गया था।

मुनरो द्वीप की खासियत

केरल के साथ-साथ दक्षिण भारत का भी यह एक ऐसा आइलैंड है, जो नदी और झील के किनारे स्थित है। मुनरो द्वीप अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर स्थित है। जोकि अपने आप में अनोखा है।

इस द्वीप के बारे में कहा जाता है कि यह केरल का छिपा हुआ मोती है, जो करीब 8 द्वीपों से बना हुआ है। यहां पर स्थित बैकवाटर और लैगून पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

सैलानियों के लिए है खास

मुनरो द्वीप अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है और यहां पर हर दिन हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। खासकर जो सैलानी बैकवाटर और लैगून से प्रेम करते हैं, उनके लिए मुनरो द्वीप किसी स्वर्ग से कम नहीं है। वहीं प्रकृति प्रेमियों के लिए भी यह खास जगह है।

मुनरो द्वीर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर कई पर्यटक बोटिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। मानसून में इस द्वीप की खूबसूरती चरम पर होती है।

आसपास घूमने की जगहें

मुनरो द्वीप के आसपास कई शानदार और मनमोहक जगहें हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। आप यहां पर अष्टमुडी झील, वेस्ट एंड ईस्ट कल्लाडा और थेवलक्करा गांव को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कैसे पहुंचे मुनरो द्वीप

बता दें कि मुनरो द्वीप पहुंचना आसान है। इसके पास में कोल्लम रेलवे स्टेशन है, जोकि यहां से 27 किमी दूर है। वहीं अगर आप हवाई मार्ग से जाना चाहते हैं, तो यहां पर सबसे पास त्रिवेंद्रम एयरपोर्ट जोकि 80 किमी दूर है। ऐसे में आप एयरपोर्ट से कैब या टैक्सी करके मुनरो द्वीप जा सकते हैं।

महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना है कोयनानगर, मानसून में यहां घूमना है जन्नत के बराबर

कोयनानगर को महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोयनानगर की खासियत, यहां की खूबसूरती और यहां पर मौजूद शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

देश के पश्चिमी भाग में स्थित महाराष्ट्र एक प्रमुख राज्य होने के साथ ही खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है। यह एक ओर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ तो दूसरी ओर अरब सागर से घिरा है। महाराष्ट्र अपनी खूबसूरती के कारण पर्यटकों के अपनी ओर आकर्षित करता है। महाराष्ट्र में कई ऐसी हसीन, ऐतिहासिक और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर घूमने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से लेकर लोनावाला, खंडाला और माथेरान जैसी जगहों के बारे में तो हर कोई जानता है, लेकिन यहां पर स्थित कोयनानगर के बारे में कम लोग जानते हैं। इस जगह को महाराष्ट्र का छिरा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोयनानगर की खासियत, यहां की खूबसूरती और यहां पर मौजूद शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में कोयनानगर

कोयनानगर महाराष्ट्र के सतारा जिले में स्थित है। सतारा जिला खूबसूरत पहाड़ और झील-झरनों के लिए जाना जाता है। वहीं कोयनानगर को कोयना के नाम से भी जाना जाता है।

सतारा जिले में कोयना नदी के किनारे कोयनानगर है। यह सतारा शहर से कुछ ही दूरी पर बसा है। कोयनानगर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 294 किमी दूर है। पूणे से 190 किमी और सांगली से 130 किमी दूर है।

कोयनानगर की खासियत

कोयनानगर चिपलून-सांगली राजमार्ग पर स्थित है और यह कई चीजों के लिए फेमस माना जाता है। कोयनानगर में स्थित कोयना बांधा भारत की सबसे बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं में से एक माना जाता है।

कोयना बांध के पीछे स्थित शिवसागर जलाशय भी कोयनानगर को खास बनाने का काम करता है। यह जगह सतारा जिले के साथ ही पूरे महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। यहां पर आप एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

कोयनानगर की खूबसूरती

बता दें कि कोयनानगर को खूबसूरती का खजाना माना जाता है। यह जगह शहर की भीड़-भाड़ से दूर अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए भी जाना जाता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं है। कोयनानगर की हरियाली यहां की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है।

यहां पर क्रिस्टल क्लियर झील, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और घने जंगल देखने को मिलेंगे। वहीं वीकेंड पर कई पर्यटक यहां पर पिकनिक मनाने पहुंचते हैं। वहीं मानसून में कोयनानगर की खूबसूरती देखने लायक होती है।

कोयनानगर में घूमने की जगहें

कोयनानगर में कई शानदार और बेहतरीन जगहें हैं, जहां पर घूमने के बाद आप महाराष्ट्र की फेमस जगहों को भूल जाएंगे। यहां पर कोयना डैम, कोयना नदी, नेहरु गार्डन और कोयनानगर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी आदि खूबसूरत जगहें मौजूद हैं।

कोयनानगर के आसपास कामरगांव, हूंबर्ली, वजेगांव, ओजार्डे वॉटरफॉल और कोयना बैकवाटर व्यू पॉइंट जैसी जगहों को घूम सकते हैं।

कैसे पहुंचे कोयनानगर

यहां पर पहुंचना बहुत आसान है, कोयनानगर का सबसे नजदीकी एयरपोर्ट पुणे है। जोकि करीब 192 किमी दूर है। वहीं कोयनानगर का नजदीकी रेलवे स्टेशन चिपलून है जो 42 किमी दूर है। पुणे से चिपलून के लिए लोकल ट्रेन आदि चलती हैं और यह शानदार जगह चिपलून-सांगली राजमार्ग पर स्थित है।

सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार आमिर खान की 'सितारे जमीन पर'

अभिनेता आमिर खान की अपकमिंग फिल्म सितारे जमीन पर सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। ताजा जानकारी के साथ आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर स्टारकास्ट के साथ ही बताया कि फिल्म सिनेमाघरों में कब दस्तक देगी। प्रोडक्शन हाउस ने फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर कैप्शन में लिखा, प्यार और खुशी का जश्न मनाती एक फिल्म 'सितारे जमीन पर' 20 जून को सिनेमाघरों में आ रही है। 'सितारे जमीन पर' के फर्स्ट पोस्टर में आमिर खान के साथ दस और सितारे नजर आए। इन नए चेहरों के नाम सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, गोपी कृष्ण वर्मा, अरूष दत्ता, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहानी, ऋषभ जैन, सिमरन मंगेशकर और नमन मिश्रा हैं। बता दें, अपकमिंग फिल्म के साथ आमिर खान लंबे समय के बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं।

ठग लाइफ से सामने आया तृषा कृष्णन का लुक, एक्ट्रेस के 42वें जन्मदिन पर फैंस को मिला बड़ा सरप्राइज

साउथ अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने 04 मई को अपना जन्मदिन मनाया। इस मौके पर पहले विश्वम्भरा के निर्माताओं ने फिल्म से तृषा का शानदार लुक शेयर किया। विश्वम्भरा के बाद अब तृषा की फिल्म ठग लाइफ से उनका एक लाजवाब लुक सामने आया है।

टर्मरिक मीडिया ने आज कुछ ही देर पहले तृषा कृष्णन की आगामी फिल्म ठग लाइफ से उनका एक शानदार लुक शेयर किया है। फिल्म के इस लुक में तृषा कुछ सोचती नजर आ रही हैं। व्हाइट शर्ट के साथ रेड स्कर्ट में तृषा सिंपल और खूबसूरत नजर आ रही हैं। वह सीढ़ी पर बैठी किसी गहन विचार में लीन नजर आ रही हैं और इस लुक के साथ पोस्टर पर लिखा है- हैप्पी बर्थ डे तृषा। इस तस्वीर में तृषा के पीछे खुला आसमान दिखाई दे रहा है।

टर्मरिक मीडिया ने कुछ ही देर पहले इंस्टाग्राम पर तृषा का ठग लाइफ से एक लुक शेयर किया है, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ठगों की दुनिया से दिलों की रानी तक - जन्मदिन मुबारक तृषा कृष्णन, हैप्पी बर्थडे तृषा, ठगलाइफ, ठग लाइफ फ्रॉम, जून5 कमल हासन। फिल्म का निर्माण मणिरत्नम करेंगे और इस फिल्म का संगीत ए आर रहमान तैयार करेंगे।

ठग लाइफ में कमल हासन और तृषा कृष्णन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। मणिरत्नम और एआर रहमान की जोड़ी ठग लाइफ फिल्म में एक साथ काम कर रही है। ठग लाइफ 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह गैंग्स्टर एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का निर्देशन मणिरत्नम कर रहे हैं। इस फिल्म को कमल हासन और मणिरत्नम ने मिलकर लिखा है। फिल्म में कमल हासन और तृषा के अलावा सिलाम्बरासन, अशोक सेलवन, नस्सर, अली फजल, पंकज त्रिपाठी सान्या मल्होत्रा और ऐश्वर्या लक्ष्मी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

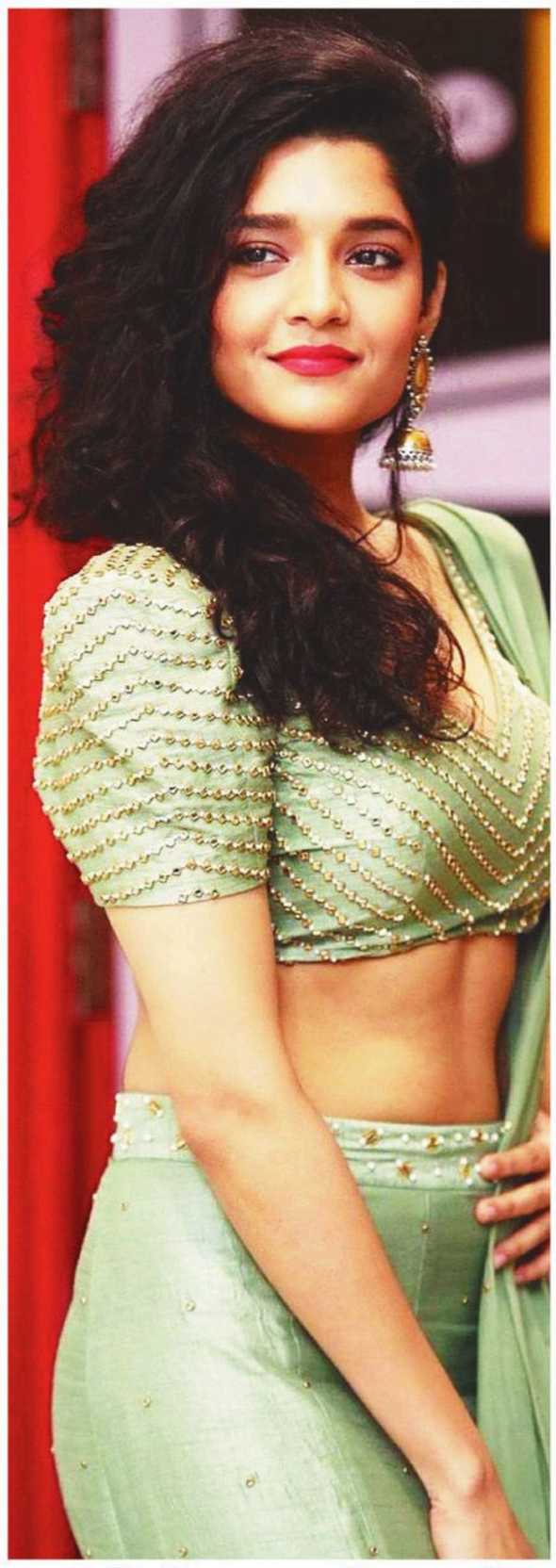

सहजता के साथ हर किरदार में फिट बैठ जाते थे इरफान, पीकू में दिखा असली रूपः शूजित सरकार

'पीकू', 'गुलाबो सिताबो', 'मद्रास कैफे' जैसी फिल्मों का निर्माण करने वाले निर्माता-निर्देशक शूजित सरकार का मानना है कि पीकू में दिवंगत अभिनेता इरफान खान ने कमाल का अभिनय किया था। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि 'पीकू' में इरफान का रोमांटिक अंदाज सामने आया, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं देखा था। शूजित ने बताया कि इरफान सहजता के साथ हर किरदार में फिट बैठ जाते थे। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता शूजित सरकार ने कहा कि उन्होंने इरफान खान को पहले कभी उस तरह नहीं देखा जैसा कि वह पीकू में निखर कर आए। उन्होंने कहा कि फिल्म में दिवंगत अभिनेता के अभिनय ने स्टार के उस पक्ष को दिखाया, जिसे वह पहले कभी नहीं देख पाए थे। जब शूजित से पूछा गया कि इरफान ने अपनी भूमिका में कॉमेडी और इमोशंस को कैसे बैलेंस किया, तो शूजित ने बताया, इरफान खान सहज अभिनेता थे। वह ताजगी और एनर्जी के साथ सेट पर आते थे। पीकू में वह गजब के आकर्षक लगे। मैंने जितनी भी फिल्में देखी हैं, उनमें से किसी में भी वह ऐसे नहीं दिखे थे। शूजित ने आगे कहा, पीकू में उनकी हर चीज शानदार है। वह ऐसा मौका ही नहीं देते कि आप 'राणा' से प्यार न करें। इस फिल्म में असली इरफान सामने आया। रोमांटिक इरफान।

'पीकू' 9 मई को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होने वाली है।

कॉमेडी ड्रामा में अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और इरफान खान के साथ मौसमी चटर्जी, जीशु सेनगुप्ता और रघुबीर यादव भी अहम भूमिकाओं में हैं। 8 मई को पीकू रिलीज के 10 साल पूरे करने जा रही है। शूजित ने 2005 में रोमांटिक वॉर ड्रामा यहां से निर्देशन की शुरुआत की थी। उन्होंने 2012 में फिल्म विक्की डोनर से सुर्खियां बटोरीं। इसके एक साल बाद उन्होंने मद्रास कैफे बनाई। उनकी होम प्रोडक्शन, लीगल थ्रिलर पिंक ने अक्टूबर और अमेजन प्राइम वीडियो की कॉमेडी गुलाबो सिताबो का निर्देशन और निर्माण किया। सरकार ने 2021 में सरदार उधम बनाई थी, जिसे लेकर उनकी खूब तारीफ हुई।

घुटनों में असहनीय दर्द के बाद भी नहीं मानी हार

साउथ इंडस्ट्री और हिंदी फिल्मों में अपने मजबूत किरदारों से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस रितिका सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी फैट-टू-फिट जर्नी दिखा रही हैं। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपने घुटनों की चोट के बावजूद वजन घटाया और फिर से पुरानी फिगर हासिल की। रितिका सिंह ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसकी शुरुआत में उन्होंने बताया कि उनका वजन बढ़ गया था और वह 72 किलो तक पहुंच गई थीं। इसके बाद वीडियो में उन्होंने दिखाया कि कैसे उन्होंने वर्कआउट करके, मेहनत और लगन से अपना वजन घटाया और फिर से फिट शेप में वापस लौट आईं। वीडियो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, पिछले तीन महीने मेरे लिए बेहद बदलाव भरे रहे। सिर्फ इसलिए नहीं कि मेरा वजन बहुत बढ़ गया था, बल्कि इसलिए भी कि मेरे घुटनों की पुरानी चोटें और दर्द देने लगी थीं। दर्द इतना ज्यादा था कि मैं ठीक से चल भी नहीं पा रही थी, किक मारना या डांस करना भी मुश्किल हो गया था। तभी मैंने आईने में खुद को देखा और खुद से कहा कि बस बहुत हो गया, अब खुद को पूरी तरह बदलने का वक्त आ गया है। इस दौरान सामने आई चुनौतियों के बारे में बताते हुए उन्होंने आगे लिखा, मैंने अपनी लाइफस्टाइल में कई बड़े बदलाव किए, जैसे डाइट, एक्सरसाइज, और रूटीन में सुधार किया... लेकिन मेरे लिए सबसे बड़ा बदलाव कुछ छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना था, जो अक्सर छोटी और बेकार लगती हैं, लेकिन असल में सबसे ज्यादा असर उन्हीं चीजों ने डाला। उदाहरण के तौर पर ऐसी चीजें हो सकती हैं. एक्ट्रेस ने पोस्ट के आखिर में कहा, मैं इस बारे में और बात करना चाहूंगी, क्योंकि मुझे सच में लगता है कि ये कई लोगों की मदद कर सकता है, ताकि वे न सिर्फ बेहतर दिखें, बल्कि सबसे जरूरी बात बेहतर महसूस भी करें। वर्कफ्रंट की बात करें तो रितिका हाल ही में सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म वेट्टैयन में नजर आईं। इस फिल्म में उन्होंने एएसपी रूपा किरण का रोल निभाया। इस किरदार में वे रजनीकांत के साथ काम करती हैं, यानी उनकी टीम का हिस्सा हैं।

मैं कॉफी शॉप भी साड़ी पहनकर जाती हूं, ये मेरा पसंदीदा परिधानः लक्ष्मी मांचू

भारतीय अभिनेत्री, फिल्म निर्माता और साउथ के साथ ही अमेरिकी टेलीविजन में काम कर चुकीं लक्ष्मी मांचू ने बताया कि उन्हें साड़ी से खास लगाव है। यह उनका पसंदीदा परिधान है। साड़ी के प्रति अपने प्रेम का इजहार करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि वह ऐसी महिला हैं, जो कॉफी शॉप में भी साड़ी पहनकर जाती है। लक्ष्मी मांचू 'मेक इन इंडिया' के तहत एक इवेंट में शामिल हुईं, जिसमें कांचीपुरम, कोटा साड़ियों के अलावा देश के अन्य हिस्सों के कपड़े देखने को मिले। लक्ष्मी ने कहा, मुंबई में असली जरी नहीं मिलती है। मैंने मास्टर कारीगरों से मिलकर असली जरी खरीदी और उनसे अपनी खास साड़ी तैयार कराई। मैंने कलमकारी डिजाइन भी हाथ से बनाए, जिसके बारे में बुनकरों ने खुद कहा कि उन्होंने यह पहले कभी नहीं देखा था। लक्ष्मी ने बताया कि साड़ियां सबसे सुंदर परिधानों में से एक हैं, जो भारतीय परंपराओं और संस्कृति के सार को दिखाती हैं। उन्होंने कहा, मैं ऐसी महिला हूं जो मुंबई में कॉफी शॉप में भी साड़ी पहनकर जाती है, क्योंकि मेरे लिए यह सबसे सुंदर और पसंदीदा परिधान है। मेरा मानना है कि हमें अपने पहनावे के माध्यम से अपनी परंपराओं और संस्कृति को दुनिया के सामने लाना चाहिए। साड़ी दुनिया भर में पसंद की जाती है। लक्ष्मी मांचू मशहूर अभिनेता मोहन बाबू की बेटी हैं। उन्होंने अमेरिकी टेलीविजन सीरीज 'लास वेगास' से अभिनय की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने जेम्स लेसुरे की प्रेमिका की भूमिका निभाई थी। इसके बाद अभिनेत्री 'लेट नाइट्स विद माई लवर' और 'मिस्ट्री ईआर', यक्षिणी जैसी सीरीज में भी काम कर चुकी हैं।

'फूलमती' बनीं नीना गुप्ता, तस्वीर शेयर कर फैंस को दिखाई झलक

बधाई हो, पंचायत जैसे मनोरंजन से भरपूर फिल्म और वेब सीरीज में काम कर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाली अभिनेत्री नीना गुप्ता सोशल मीडिया पर फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। इसी कड़ी में नीना ने आइवरी कलर की साड़ी में लेटेस्ट तस्वीर शेयर की। खूबसूरत तस्वीर के साथ किसी चीज ने ध्यान खींचा तो वो है उनका खुद को दिया नाम! इंस्टाग्राम पर अपनी खूबसूरत तस्वीर को शेयर करते हुए नीना ने कैप्शन में लिखा, फूलमती। आइवरी कलर की साड़ी के साथ वह गोल्डन ज्वेलरी में बेहद प्यारी लगीं, जिसे देखकर उनके फॉलोअर्स तारीफ करने से खुद को रोक नहीं सके। एक यूजर ने लिखा, खूबसूरत। दूसरे ने तारीफ करते हुए लिखा, आप खूबसूरत के साथ स्टाइलिश भी हैं। तीसरे यूजर ने लिखा, आप स्टनिंग हैं। इससे पहले भी नीना अपने पति विवेक मेहता की बर्थडे पार्टी में यही साड़ी पहने दिखी थीं। काम की बात करें तो नीना गुप्ता हाल ही में फिल्म आचारी बा में नजर आईं, जिसमें उन्होंने एक उद्यमी की भूमिका निभाई है। हार्दिक गज्जर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में नीना का किरदार एक मां और दादी का है, जो परिवार में अनदेखी का शिकार है।

खलनायक बन दहशत फैलाएंगे अक्षय कुमार

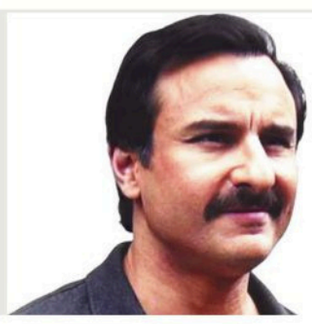

अक्षय कुमार और सैफ अली खान 17 साल बाद मलयालम हिट ओप्पम के हिंदी रीमेक में साथ नजर आएंगे। वहीं अब फिल्म में दोनों के किरदारों के बारे में जानकारी सामने आई है। बॉलीवुड के दो दिग्गज सितारे, अक्षय कुमार और सैफ अली खान 17 साल के लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। खबर है कि दोनों 2016 की सुपरहिट मलयालम फिल्म ओप्पम के हिंदी रीमेक में काम करेंगे, जिसमें मूल रूप से मोहनलाल ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म को लेकर ताजा अपडेट्स ने फैंस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। सूत्रों के मुताबिक, इस बार अक्षय कुमार एक खतरनाक विलेन की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि सैफ अली खान लीड रोल में होंगे। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

स्वामी मुदक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267